DE GROUP
We Define Estate

Gandivaranchi
बिरसा का गांडीव

injection.care
PHARMACY
+91 95070 00009 | injection.care

रांची, माघ, कृष्ण पक्ष, द्वितीया 2082 | सोमवार, 05 जनवरी 2025, मूल्य: ₹2, वर्ष : 7, अंक: 51 | RNI NO : JHABIL/2019/85684 | TOTAL PAGE-08 | www.gandivlive.com

सोमनाथ मंदिर पर हमले के 1000 साल पर पीएम मोदी ने लिखा भावुक ब्लॉग

सोमनाथ मंदिर संघर्षों को पार करते हुए शान से खड़ा है

पीएम ने ब्लाग में लिखा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू इस विकास से ज्यादा खुश नहीं थे

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सोमनाथ मंदिर पर पहले आक्रमण के एक हजार साल पूरे होने पर एक लेख लिखा है। इस लेख में पीएम मोदी ने सोमनाथ मंदिर के टूटने और फिर से बनने की कहानी का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ शब्द सुनते ही दिल और दिमाग में गर्व की भावना पैदा होती है। ताजा जानकारी के मुताबिक पीएम मोदी 11 जनवरी को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में हिस्सा लेने के लिए सोमनाथ जाएंगे, जिसमें 8 से 11 जनवरी तक कई आध्यात्मिक और सामाजिक गतिविधियां होंगी।

पीएम मोदी ने याद दिलाते हुए लिखा कि इस पवित्र मंदिर को पहली बार ठीक 1 हजार साल पहले 1026 ईसवीं में तोड़ा गया था। इससे पता चलता है कि सदियों से बार-बार हुए हमलों के बावजूद, यह मंदिर बेमिसाल शान के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक ब्लॉग पोस्ट में भारत की सभ्यता की हमेशा रहने वाली भावना पर जोर दिया और सोमनाथ मंदिर की विरासत पर बात करते हुए कहा कि पहले हमले के हजार साल बाद सोमनाथ की कहानी तबाही से नहीं, बल्कि भारत माता के करोड़ों बच्चों की अटूट हिम्मत से पहचानी जाती है।

भारत की सांस्कृतिक विरासत की मजबूती और निरंतरता पर जोर देते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सभ्यता की

मजबूत भावना का सोमनाथ से बेहतर कोई उदाहरण नहीं हो सकता, जो मुश्किलों और संघर्षों को पार करते हुए शान से खड़ा है। ब्लॉग के मुताबिक, पीएम मोदी ने किताब सोमनाथः द श्राइन इटरनल का जिक्र किया, जिसमें केएम मुंशी ने लिखा है कि महमूद गजनवी ने 18 अक्टूबर 1025 को सोमनाथ की ओर अपना मार्च शुरू किया और लगभग 80 दिन बाद, 6 जनवरी 1026 को किलेबंद मंदिर शहर पर हमला कर दिया।

उन्होंने यह भी बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने 13 नवंबर, 1947 को मंदिर के दोबारा निर्माण में अहम और ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी और केएम मुंशी पटेल के साथ मजबूती से खड़े थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि 1951 में सोमनाथ मंदिर उद्घाटन के लिए तैयार था, लेकिन, प्रधानमंत्री नेहरू ने मंदिर के उद्घाटन में राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के शामिल होने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि आखिरकार, 11 मई 1951 को सोमनाथ में एक बड़े मंदिर के दरवाजे भक्तों के लिए खुल गए और डॉ राजेंद्र प्रसाद वहां मौजूद थे। महान सरदार साहब इस ऐतिहासिक दिन को देखने के लिए जिंदा नहीं थे, लेकिन उनके सपने का पूरा होना देश के सामने था। उस समय के प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू इस विकास से ज्यादा खुश नहीं थे। वह नहीं चाहते थे कि राष्ट्रपति और मंत्री इस खास मौके से जुड़ें। उन्होंने कहा कि इस घटना से भारत की छवि खराब हुई, लेकिन डॉ। राजेंद्र प्रसाद डटे रहे और बाकी सब इतिहास है।

पीएम मोदी ने कहा कि यही भावना हमारे देश में दिखती है, जो सदियों के हमलों और औपनिवेशिक लूट से उबरकर दुनिया की तरक्की के सबसे अच्छे देशों में से एक है। यह हमारे वैल्यू सिस्टम और हमारे लोगों का पक्का इरादा है जिसने आज भारत को दुनिया भर के ध्यान का केंद्र बनाया है। दुनिया भारत को उम्मीद और आशा की नजर से देख रही है। वे हमारे इनोवेटिव युवाओं में निवेश करना चाहते हैं। मुंशी के बताए उस समय के ब्यौरों के मुताबिक, मंदिर की रक्षा करते हुए करीब 50,000 रक्षकों ने अपनी जान गंवाई। इसके बाद महमूद ने मंदिर को लूटा और पवित्र जगह को अपवित्र किया, जिससे लिंग के टुकड़े-टुकड़े हो गए।

सोमनाथ मंदिर को 13वीं और 18वीं सदी के बीच बार-बार तोड़ा और फिर से बनाया गया। इस पर 1299 ई। में अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति ने, 1394 ई में मुजफ़्फर खान ने और 1459 ई। में महमूद बेगड़ा ने हमला किया था। इसके बावजूद, यह एक हिंदू मंदिर बना रहा, जब तक कि औरंगजेब ने 1669 ई. में इसे गिराने का आदेश नहीं दिया, 1702 ई. में इसे इतना तोड़ दिया गया कि इसकी मरम्मत नहीं हो सकी, और 1706 ई. में इसे मस्जिद में बदल दिया गया।

देवघर में मुख्य चुनाव आयुक्त ने बीएलओ से साथ किया संवाद, बोले

मतदाता सूची है लोकतंत्र की रीढ़, कोई भी पात्र नागरिक न छूटे

GANDIV REPORTER

देवघर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को देवघर के तपोवन स्थित श्री श्री मोहनानंद विद्यालय में आयोजित बीएलओ संवाद कार्यक्रम में कहा कि जैसे लोकतंत्र का आधार शुद्ध मतदाता सूची है, वैसे ही शुद्ध मतदाता सूची का आधार इसे तैयार करने वाले बीएलओ हैं। उन्होंने बीएलओ को लोकतंत्र के अदृश्य नायक बताते हुए कहा कि आयोग का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र भारतीय मतदाता सूची से न छूटे।

उन्होंने बताया कि कई बार बीएलओ को घर घर जाकर मतदाता सूची के कार्य करने में उनकी पहचान बताने के लिए कोई आईडी कार्ड नहीं होते थे, जिससे लोग उन्हें संशय की दृष्टि से देखते थे। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से बीएलओ का पहचान पत्र बनाया गया है, जिससे अब हर बीएलओ के पास अपना आईडी कार्ड है और उन्हें डोर टू डोर

वेरिफिकेशन में किसी प्रकार का संकोच नहीं होता। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि देशभर में मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण कार्य विभिन्न चरणों में जारी है। झारखंड में इसकी औपचारिक घोषणा अभी नहीं हुई है लेकिन देवघर के बीएलओ ने अपनी तैयारी और प्रक्रिया की समझ से यह स्पष्ट कर दिया है कि राज्य में पुनरीक्षण के दौरान पारदर्शिता और पूर्णता का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि दो दिवसीय देवघर-दुमका प्रवास के दौरान उन्होंने बाबा बैद्यनाथ और बाबा बासुकीनाथ का दर्शन किया। उन्होंने बीएलओ को चुनाव आयोग का प्रहरी और आधार स्तंभ बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि झारखंड में जब भी गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की घोषणा होगी, उसे सुगमता और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराया जा सकेगा।

कार्यक्रम में बीएलओ प्रमिला यादव ने गहन पुनरीक्षण की आवश्यकता पर विस्तृत जानकारी दी। वहीं गुलशन परवीन ने मतदाता सूचियों को उम्र के आधार पर ए,बी,सी,डी श्रेणियों में विभाजित कर उन्हें पुराने आंकड़ों से मैप करने की प्रक्रिया समझाई। गीता कुमारी ने मतदाता सूची मैपिंग, दीपम कुमारी ने मैपिंग के आठ चेकपॉइंट्स, राखी देवी और संगीता देवी ने घरों को नोशनल नंबर देने की प्रक्रिया बताई।

एसआईएस का मतलब भारतीय नागरिकों को ही मतदान का अधिकार

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने दो टूक कहा कि मतदाता सूची में किसी भी गैर नागरिक का नाम होना संविधान के खिलाफ है। इसी को ध्यान में रखते हुए देश के 12 राज्यों में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईएस) की शुरूआत की गई है, जिसे आने वाले समय में पूरे देश में लागू किया जाएगा। इसका एकमात्र उद्देश्य है कि केवल पात्र भारतीय नागरिकों को ही मतदान का अधिकार सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के। रवि कुमार, उपायुक्त देवघर नमन प्रियेश लकड़ा, अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी शैलेश कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती समेत कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

झारखंड में ठंड से हाल बेहाल लोहरदगा व गुमला में पारा लुढ़का

GANDIV REPORTER

रांची। नए साल की शुरूआत के साथ मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है। सर्दी फिर से सताने लगी है। लोहरदगा और गुमला का न्यूनतम पारा 5 डिग्री से नीचे चला गया है। रांची में भी शीतलहर वाली स्थिति है। कड़ाके की ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने 6 जनवरी तक स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी कर रखा है। मौसम केंद्र ने राज्यवासियों से ठंड से बचाव के उपाय के साथ घरों से बाहर न निकलने की सलाह दी है। मौसम केंद्र, रांची की ओर से 5 जनवरी की सुबह 8.30 बजे जारी रिपोर्ट के मुताबिक नौ जिलों का पारा 10 डिग्री से नीचे चला गया है।

लोहरदगा में हाड़ कंपाने वाली सर्दी पड़ रही है। लोहरदगा का न्यूनतम तापमान 3.4 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है। जबकि लोहरदगा का अधिकतम तापमान 19.7 डिग्री है। वहीं गुमला का न्यूनतम पारा 4.1 डिग्री पर पहुंच गया है। इसके अलावा डाल्टनगंज में 6.3 डिग्री, खूंटी में 6.5 डिग्री, रांची में 6.6 डिग्री, हजारीबाग में 7.1 डिग्री, बोकारो में 8.5 डिग्री, कोडरमा में 8.5 डिग्री और सिमडेगा में 9.3 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ है। इस बीच अधिकतम तापमान में भी कमी आई है। राज्य के सभी जिलों का अधिकतम तापमान 25 डिग्री से नीचे चला गया है। चाईबासा के जगन्नाथपुर में अधिकतम तापमान 23.2 डिग्री दर्ज हुआ है। हजारीबाग, लोहरदगा और कोडरमा में दिन के वक्त भी सिहरन से लोग परेशान हैं। क्योंकि इन जिलों का अधिकतम पारा 17 डिग्री से नीचे चला गया है। वहीं रांची में 20.6 डिग्री, जमशेदपुर में 21.2 डिग्री, डाल्टनगंज में 21.4 डिग्री और बोकारो में 21.1 डिग्री रहा है।

मौसम केंद्र, रांची ने 6 जनवरी तक राज्य के 14 जिलों के लिए घने कोहरे की संभावना के साथ येलो अलर्ट जारी किया है। इनमें गढ़वा, पलामू, लातेहार, गुमला, लोहरदगा, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, दुमका, गोड्डा, साहिबगंज और पाकुड़ जिला शामिल है। साथ ही 7 जनवरी तक गढ़वा, पलामू, लातेहार, गुमला, लोहरदगा, चतरा, हजारीबाग और कोडरमा में शीतलहर की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

जैप वन के 146वें स्थापना दिवस पर आनंद मेले का हुआ उद्घाटन

GANDIV REPORTER

रांची। जैप वन के 146वें स्थापना दिवस पर डोरंडा स्थित जैप वन ग्राउंड में चार दिवसीय आनंद मेले का उद्घाटन सोमवार को हुआ। इस मेले का उद्घाटन डीजीपी तदाशा मिश्रा द्वारा किया गया। इस मौके पर एडीजी प्रिया दुबे, रांची एसएसपी सह जैप कमांडेंट राकेश रंजन समेत कई अधिकारी उपस्थित थे।

गोरखा बटालियन (वर्तमान में जैप वन) का इतिहास काफी गौरवशाली है। इस बटालियन को अपनी वीरता के कारण कई पुरस्कार मिले हैं।

मेले में 100 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। इसमें वाहिनी की 14 कंपनियों के अलावा बिहार, झारखंड, नेपाल, दार्जिलिंग, बंगाल सहित अन्य शहरों के स्टॉल लगे हैं। बिहार की खुरमा और दार्जिलिंग की चाय से लेकर नेपाल के मसाले आदि के भी स्टॉल लगाए गए हैं। मेला में वाहिनी की 14 कंपनियों ने भी अपनी संस्कृति, खान-पान व व्यंजनों से संबंधित विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए हैं। महिलाओं के परिधान, बच्चों के खिलौने, मेकअप, घर की जरूरत और साज-सज्जा से जुड़ी सामग्री के स्टॉल आकर्षण के केंद्र हैं।

दो बच्चों की मां ने प्रेमी संग मिलकर की पति की हत्या, जंगल से बरामद शव

GANDIV REPORTER

गुमला। जिला के सदर थाना क्षेत्र के कोटेंगसेरा गांव से 2 जनवरी को 36 वर्षीय बुधराम तिर्की गायब हो गया था। उसका शव सिसई के मुकुंदा गांव के सोंगरा पहाड़ कोना जंगल से बरामद किया गया है।

युवक के शव को सिसई थाना के एसआई अरुण कुमार सिंह ने कब्जे में लेकर सोमवार को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज दिया और मामले की छानबीन में जुट गए।

मृतक के भाई सुरेश तिर्की ने पुलिस को बताया कि भाभी रांथी देवी, पुत्र और भैया बुधराम तिर्की तीनों ओझा भगत के पास जाने की बात कह कर 2 जनवरी को एक साथ निकले थे। मगर शाम में केवल भाभी बच्चे के साथ लौट कर घर आ गईं। उनसे जब भाई के बारे में पूछा गया तो उन्होंने गोल मटोल जवाब दिया। कड़ाई से पूछताछ करने के बाद उसको पुलिस को सौंप दिया गया।

उसके बाद भाई की खोजबीन शुरू कर दी गई और गुमला थाना में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया गया। इसी खोजबीन में जंगल में शव होने की बात पता चली। जिसके बाद बुधराम तिर्की का शव बरामद किया गया। फिलहाल पुलिस ने मृतक की पत्नी और एक आरोपी सीताराम उरांव को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इस हत्याकांड में दो और अपराधी शामिल हैं, जिनकी तलाश जारी है।

ट्रंप की धमकी के बाद ईरान छोड़ने की तैयारी में खामेनेई

GANDIV REPORTER

नयी दिल्ली। ईरान में विरोध प्रदर्शन की आग उग्र होने और कई प्रदर्शनकारियों की मौत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप की धमकी के बाद अब एक रिपोर्ट में बड़ा दावा किया गया है। द टाइम्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आर्थिक संकट के खिलाफ ईरान में बड़े पैमाने पर हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच, ईरान के अयातुल्ला अली खामेनेई के देश से भागने की योजना बना रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक खामेनेई के पास इसे लेकर एक बैक-अप प्लान है।

रिपोर्ट में एक इंटेलिजेंस रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि खामेनेई अपने 20 करीबी सहयोगियों और परिवार के साथ ईरान से भागने की योजना बना रहे हैं। दावा किया गया है कि खामेनेई सीरिया के बशर अल-असद की तरह रूस में शरण ले सकते हैं। इसकी वजह यह बताई गई है कि खामेनेई को मॉस्को भागना होगा क्योंकि उनके लिए कोई दूसरी जगह नहीं है।

ट्रम्प ने वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को धमकी दी, कहा

हमारी बात नहीं मानी तो और बुरा हाल करेंगे

GANDIV REPORTER

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को बुरा हाल करने की धमकी दी है। ट्रम्प ने कहा, अगर डेल्सी वह नहीं करतीं जो वेनेजुएला के लिए अमेरिका सही मानता है, तो उनका हाल मादुरो से भी ज्यादा बुरा हो सकता है। ट्रम्प ने यह बात द अटलांटिक मैग्जीन को दिए इंटरव्यू में कही है। इससे पहले न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा था अगर रोड्रिग्ज अमेरिका की बात मान लेती हैं तो वेनेजुएला में अमेरिकी सेना तैनात करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वहीं, रोड्रिग्ज ने मादुरो को सत्ता से हटाने की आलोचना की है। साथ ही अमेरिका से मादुरो को वापस भेजने की मांग की है। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले के बाद आज यूएनएससी की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई गई है। इसमें वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को हिरासत में लेने की वैधता पर चर्चा होगी। वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने अमेरिका से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला अमेरिका के साथ विकास और शांति के लिए सहयोग का एजेंडा बनाना चाहता है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रम्प, हमारे लोग युद्ध नहीं, शांति और बातचीत के हकदार हैं। यही संदेश राष्ट्रपति मादुरो का हमेशा रहा है और आज पूरे वेनेजुएला का भी यही संदेश है। रविवार देर रात जारी किए बयान में रोड्रिग्ज ने कहा कि अमेरिकी सेना की कार्रवाई में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस की गिरफ्तारी के बाद भी वेनेजुएला टकराव नहीं, बल्कि संवाद और सहयोग चाहता है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में रहते हुए दोनों देशों को मिलकर काम करना चाहिए।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को आज मैनहैटन की फेडरल कोर्ट में पेश किया जाएगा। मादुरो पर अमेरिका में हथियार और ड्रग तस्करी के आरोप हैं। शनिवार को मादुरो की पत्नी सीलिया फ्लोरेस को भी केस में शामिल किया गया है। उन पर अपहरण और हत्याओं के आदेश देने का आरोप लगाया गया है।

वेनेजुएला में हुए अमेरिकी हमले में क्यूबा के 32 अधिकारी भी मारे गए। क्यूबा सरकार ने रविवार देर रात इसकी जानकारी दी। सरकार की तरफ से जारी किए बयान के मुताबिक क्यूबा के सैन्य और पुलिस अधिकारी वेनेजुएला सरकार के अनुरोध पर वहां मिशन पर थे। बयान में यह साफ नहीं किया गया कि क्यूबाई अधिकारी वहां क्या काम कर रहे थे।

ट्रम्प ने कहा है कि इस समय वेनेजुएला की कमान अमेरिका के हाथ में है। रविवार रात एयरफोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने बताया कि अमेरिका वेनेजुएला की नई लीडरशिप यानी कार्यवाहक राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज से सीधे बातचीत कर रहा है। ट्रम्प ने बताया कि उन्होंने अभी तक डेल्सी रोड्रिग्ज से खुद बात नहीं की है, लेकिन उनके सहयोगियों ने संपर्क किया है। उन्होंने कहा कि सही समय आने पर वे उनसे बात करेंगे।

झारखंड में कांग्रेस का मनरेगा बचाओ अभियान, कहा-

मोदी सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर चलाया बुलडोजर

GANDIV REPORTER

रांची। प्रदेश कांग्रेस मनरेगा योजना का नाम बदलने को लेकर रांची में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा बदली गई योजना मनरेगा की जगह विकसित भारत जी राम जी को लेकर प्रदेश भर के कांग्रेस कार्यकताओं ने राजधानी रांची में मनरेगा बचाओ अभियान रैली की शुरूआत की। रांची के मोरहाबादी मैदान के बापू वाटिका स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के साथ-साथ सभी कांग्रेसी नेताओं को मनरेगा बचाने वाले संकल्प की शपथ दिलाई गई। इसके बाद पदयात्रा करते कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता लोकभवन के लिए निकल गए।

लोकभवन के समक्ष पदयात्रा हुई सभा में तब्दील : कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि जब से केंद्र की मोदी सरकार सत्ता में आई है, तब से लगातार आम जनता के अधिकार छीने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मनरेगा की जगह जी राम जी से रोजगार का अधिकार छीना गया है। यात्रा में शामिल झारखंड सरकार में मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि 125 दिन के रोजगार की बात बेमानी है। क्योंकि मनरेगा के तहत 50-60 दिन का ही रोजगार मिल पाता है। वहीं कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के राजू ने 'विकसित भारत जी राम जी' योजना की कमियों को उजागर किया।

जब बजट कम है तो 125 दिन कैसे रोजगार देगी सरकार : झारखंड सरकार में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा पूरे भारत में 12 करोड़ 16 लाख रजिस्टर्ड मजदूर हैं। उन्हें 125 दिन का रोजगार कैसे दिया जा सकेगा। जबकि बजट कम है। मंत्री ने कहा कि अगर 5640 करोड़ राज्य सरकार देगी, तब ही यह 'जी राम जी' योजना चल सकेगी। यह ऐसे ही नहीं हुआ, बल्कि भाजपा की सोची समझी चाल है कि बापू के नाम की योजना को जी राम जी कर दिया गया है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर बुलडोजर है जी राम जी: सुखदेव भगत : लोहरदगा से कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने मनरेगा को समाप्त करने को दुखद बताया। उन्होंने कहा कि मनरेगा का नाम बदलकर मोदी सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर बुलडोजर चलाने का काम किया है। वहीं मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि मनरेगा में हुए बदलाव से पलायन बढ़ेगा। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता ज्यां द्रेज भी शामिल हुए। वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि रोजगार की गारंटी को कमजोर कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को तबाह करने की योजना बनाई गई है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम हमारे लिए आस्था है तो उनके लिए (बीजेपी) यह सिर्फ राजनीति करने का नाम है। मनरेगा बचाओ यात्रा में कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता, पूर्व सांसद फुरकान अंसारी, विधायक ममता देवी, पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित पार्टी के सभी पदाधिकारी शामिल हुए।

मांडर टोल कर्मियों से उलझे भाजपा विधायक! वीडियो पर दी सफाई, बोले -

परिवहन मंत्री और एनएचएआई से करेंगे शिकायत

GANDIV REPORTER

रांची। राजधानी रांची के मांडर टोल प्लाजा पर पलामू के पांकी से भाजपा विधायक शशिभूषण मेहता के परिवार के साथ टोल टैक्स को लेकर उपजा विवाद अब तूल पकड़ने लगा है। विधायक ने आरोप लगाया है कि एक साजिश के तहत उनके साथ हुई बहस के वीडियो को वहां के कर्मियों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उनकी छवि धूमिल करने की कोशिश की है। हालांकि, वीडियो में विधायक भी टोल कर्मियों के खिलाफ अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करते हुए दिख रहे हैं। वहीं टोलकर्मियों का आरोप है कि विधायक उन्हें धमका रहे थे। उन्होंने एक टोलकर्मी को पहले थप्पड़ भी जड़ा था।

इस पूरी घटना को लेकर विधायक शशिभूषण मेहता ने केंद्रीय

परिवहन मंत्री और एनएचएआई से टोल कर्मियों और संचालक के खिलाफ लिखित शिकायत करने की बात कही है। उन्होंने आरोप लगाया है कि एक तो जानबूझकर गाड़ी को रोककर परिवार को परेशान किया गया और सवाल करने पर उनके साथ बदतमीजी करते हुए जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया गया।

विधायक की पत्नी से हुई विवाद की शुरूआत : भाजपा विधायक शशिभूषण मेहता ने ईटीवी भारत को बताया कि पिछले दिनों उनकी पत्नी डाल्टनगंज से वाया मांडर रांची जा रहीं थी। उनको सेवा विमान से दिल्ली इलाज के लिए जाना था। लेकिन जानबूझकर उनकी गाड़ी को टोल प्लाजा के पास रोक दिया गया। जबरन पैसे की मांग की जा रही थी। काफी देर तक गाड़ी रोकने की वजह से उनकी फ्लाइट छूट गई।

31 जनवरी को भाजपा विधायक के साथ हुआ विवाद : भाजपा विधायक ने बताया कि 31 जनवरी को डाल्टनगंज से रांची लौटते वक्त उन्होंने जानना चाहा कि आखिर उनकी पत्नी की गाड़ी को क्यों रोका गया। नाराज विधायक ने कारण जानने के लिए वहां के कर्मियों से बात की और मैनेजर को बुलवाने को कहा। विधायक का आरोप है कि इस दौरान वहां के कर्मियों ने उनके साथ बदत्तमीजी की। उनके खिलाफ जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। विवाद बढ़ने पर खलारी डीएसपी पहुंचे और मामले को शांत कराया। विधायक ने मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि आए दिन मांडर टोल प्लाजा पर लोगों को परेशान किया जाता है।

उन्होंने बताया कि टोल प्लाजा पर विधायक की गाड़ी से टोल नहीं लिया जाता है। फिर भी ऐसी हरकत क्यों की गई। उनका आरोप है कि 4 जनवरी को उनकी गाड़ी को एक बार फिर रोक दिया गया। जानबूझकर देरी कराई गई। इस तरह का दुर्व्यवहार एक साजिश के तहत किया जा रहा है। उन्होंने इसकी लिखित शिकायत केंद्रीय परिवहन मंत्री और एनएचएआई से करने की बात कही है।

क्या कहना है खलारी डीएसपी का

खलासी के डीएसपी राम नारायण चौधरी ने बताया कि विवाद हुआ था। घटना के दिन रांची से खलारी लौटते वक्त टोल प्लाजा पर विवाद की जानकारी मिलते ही उन्होंने खुद दोनों पक्ष को समझाकर मामला शांत कराया था। उन्होंने बताया कि टोल प्लाजा के लोगों का कहना है कि विधायक की गाड़ी गुजरने पर टोल टैक्स नहीं लिया जाता है, लेकिन परिवार या कोई कार्यकर्ता को इसकी छूट नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी पक्ष ने विवाद को लेकर लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

आजसू ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन

GANDIV REPORTER

रांची। आजसू ने राज्यपाल झारखंड के नाम रांची विश्वविद्यालय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्विद्यालय में स्थाई कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव की नियुक्ति के संबंध में ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में आजसू ने निवेदन पूर्वक कहा कि रांची विश्विद्यालय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्विद्यालय में स्थाई कुलपति नहीं है जिसके कारण विश्वविद्यालय का काम पूरी तरह ठप पड़ा हुआ है न तो समय पर क्लास हो रही है न ही समय पर परीक्षा न ही रिजल्ट प्रकाशित हो पा रही है। जिससे कि विश्विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । किसी भी तरह की तरह का फाइनेंशियल प्रक्रिया विश्विद्यालय के द्वारा डेवलेपमेंट का नहीं लिया जा रहा है सीनेट और सिंडिकेट की बैठके समय पर नहीं हो पा रही है जिससे से विश्विद्यालय के विकास कार्य पर रोक लगा हुआ है साथ ही विश्वविद्यालय के कर्मचारीयों, शिक्षकों की भी वेतन सही समय पर नहीं मिल पा रही है और भी अनेकों समस्या है जिसका निराकरण स्थाई कुलपति की नियुक्ति से ही संभव है।

अतः महामहिम कुलाधिपति महोदय से आजसू छात्र हित में आग्रह करती कि राज्य के सभी विश्विद्यालयों में स्थाई कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव की नियुक्ति की जाए जिससे कि ये सभी समस्याओं से छात्र छात्राओं को निजात मिल सके।

ज्ञापन सौंपने में मुख्य रूप से राजेश सिंह,अमन साहू, राज दुबे,मुकेश, निशांत, हिमांशु सिंह, अमित मिंज, प्रिंस लिंडा, विवेक, अमन, रोहित आलोक, सुजल अनुज इत्यादि उपस्थित थे।

जैप वन के 146वें स्थापना दिवस पर जैप वन ग्राउंड में आनंद मेले का उद्घाटन

GANDIV REPORTER

रांची। जैप वन के 146वें स्थापना दिवस पर डोरंडा स्थित जैप वन ग्राउंड में चार दिवसीय आनंद मेले का उद्घाटन सोमवार को हुआ। इस मेले का उद्घाटन डीजीपी तदाशा मिश्रा द्वारा किया गया।

इस मौके पर एडीजी प्रिया दुबे, रांची एसएसपी सह जैप कमांडेंट राकेश रंजन समेत कई अधिकारी उपस्थित थे। गोरखा बटालियन (वर्तमान में जैप वन) का इतिहास काफी गौरवशाली है। इस बटालियन को अपनी वीरता के कारण कई पुरस्कार मिले हैं।

मेले में 100 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। इसमें वाहिनी की 14 कंपनियों के अलावा बिहार, झारखंड, नेपाल, दार्जिलिंग, बंगाल सहित अन्य शहरों के स्टॉल लगे हैं। बिहार की खुरमा और दार्जिलिंग की चाय से लेकर नेपाल के मसाले आदि के भी स्टॉल लगाए गए हैं। मेला में वाहिनी की 14 कंपनियों ने भी अपनी संस्कृति, खान-पान व व्यंजनों से संबंधित विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए हैं। महिलाओं के परिधान, बच्चों के खिलौने, मेकअप, घर की जरूरत और साज-सज्जा से जुड़ी सामग्री के स्टॉल आकर्षण के केंद्र हैं।

मेला के हब्बा डब्बा (जुआ) में बच्चे भी अजमाया भाग्य

मुरी। बडो के साथ साथ बच्चे भी मेला में आयोजित हब्बा डब्बा (जुआ)खेल किस्मत अजमाने में पीछे नहीं रहा। राहे पोगडा में स्व गोवर्धन महतो जयंती पर दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आज समापन था। इस मौके पर पोगडा में मेला भी लगा। एक तरफ खेल का आयोजन तो दुसरी तरफ मुर्गा लड़ाई प्रतियोगिता होती है। खुले आम देशी दारु की बिक्री हो रही थी। टेन्ट लगाकर बडे स्तर पर हब्बा डब्बा (जुआ) खेल हुआ। जिसमें लाखों का कारोबार होता है। कोई जीता तो घर में खुशियाँ और जो हरा तो उसके घर में लड़ाई झगड़ा। साथ में जो बच्चे जो किस्मत अजमाने में लगे थे उनका भविष्य खराब हो रहा है।

महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग : श्राची बंगाल टाइगर्स ने रांची रॉयल्स को 1-0 से हराया

GANDIV REPORTER

रांची। महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025-26 के आठवें मुकाबले में श्राची बंगाल टाइगर्स ने अनुशासित और जुझारू प्रदर्शन करते हुए मेजबान रांची रॉयल्स को 1-0 से मात दी। यह मुकाबला रविवार को मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेला गया। मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल अगुस्टिना गोरजेलानी ने 37वें मिनट में किया, जिससे श्राची बंगाल टाइगर्स ने तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल कर अंक तालिका में दूसरा स्थान प्राप्त कर लिया। लगातार जीत के साथ मुकाबले में उतरी रांची रॉयल्स ने मैच की शुरूआत आक्रामक अंदाज में की। पहले क्वार्टर में रॉयल्स ने मिडफील्ड पर पकड़ बनाते हुए

खेल की गति को नियंत्रित किया। इस दौरान उन्हें पांच पेनल्टी कॉर्नर और सात सर्कल पैठ के मौके मिले, लेकिन श्राची बंगाल टाइगर्स की गोलकीपर जेनिफर रिजो ने शानदार बचाव करते हुए रॉयल्स को बढ़त हासिल नहीं करने दी। काउंटर अटैक पर खेल रही टाइगर्स टीम को भी क्वार्टर के अंत में एक मौका मिला, वहीं रांची की गोलकीपर बिचू देवी खारीबाम ने भी कुछ बेहतरीन सेव कर स्कोर को बराबरी पर बनाए रखा।

दूसरे क्वार्टर में श्राची बंगाल टाइगर्स ने खेल में वापसी की और रांची रॉयल्स के डिफेंस पर दबाव बनाना शुरू किया। टाइगर्स ने लगातार हमले करते हुए सात सर्कल पैठ और दो पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए, लेकिन रांची की गोलकीपर माधुरी किंडो ने अहम बचाव कर अपनी टीम को पहले हाफ तक 0-0 की बराबरी पर बनाए रखा।

तीसरे क्वार्टर की शुरूआत में रांची रॉयल्स ने फिर से आक्रामक रुख अपनाया और गोल के करीब पहुंचीं, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। इसी बीच 37वें मिनट में श्राची बंगाल टाइगर्स को मिले पेनल्टी कॉर्नर को अगुस्टिना गोरजेलानी ने गोल में बदल दिया। यह इस सत्र में उनका चौथा गोल था, जिससे टाइगर्स ने 1-0 की बढ़त बना ली।

अंतिम क्वार्टर में रांची रॉयल्स ने बराबरी के लिए जोरदार प्रयास किए और खेल पर दबदबा भी बनाया। इस दौरान रॉयल्स ने सात सर्कल पैठ और पांच पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन श्राची बंगाल टाइगर्स की मजबूत और संगठित डिफेंस ने कोई चूक नहीं की और बढ़त को अंत तक कायम रखा। इस जीत के साथ श्राची बंगाल टाइगर्स ने लीग में अपनी दूसरी जीत दर्ज की।

आपके द्वार कार्यक्रम :10.26 लाख आवेदनों का निपटारा

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड सरकार की ओर से चलाई गई आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत कुल 12 लाख 94 हजार 915 आवेदन आए। जिसमें रिकॉर्ड 10 लाख 26 हजार चार आवेदनों का निपटारा कर लिया गया। दो लाख 68 हजार 911 आवेदन प्रक्रियाधीन हैं। इस कार्यक्रम के तहत 5226 कैंप लगाए गए।

वृद्धा पेंशन के सबसे अधिक आवेदनों का हुआ निपटारा

इस कार्यक्रम के तहत सबसे अधिक वृद्धा पेंशन से जुड़े मामलों का निपटारा किया गया। इसमें 1 लाख 17 हजार 065 आवेदन आए, जिसमें एक लाख

347 आवेदनों का निपटारा किया गया। फिलहाल 16,718 मामले प्रक्रियाधीन हैं। वहीं, कैंप के जरीए 73,007 स्थानीय निवासी प्रमाण से जुड़े मामलों का निपटारा किया गया।

कितने आवेदन आए, कितनों का हुआ निपटारा, कितने प्रक्रियाधीन

नया राशन कार्ड
आवेदन आए: 71,705, निपटारा: 55,608, प्रक्रियाधीन: 16,097

भूमि धारण प्रमाण पत्र
आवेदन आए: 2,587, निपटारा: 2,138, प्रक्रियाधीन: 449

वृद्धा पेंशन
आवेदन आए: 1,17,065, निपटारा: 1,00,347, प्रक्रियाधीन: 16,718

भूमि की मापी
आवेदन आए: 1,606, निपटारा: 1,257, प्रक्रियाधीन: 349

जन्म प्रमाण पत्र
आवेदन आए: 60,593, निपटारा: 40,360, प्रक्रियाधीन: 20,233

मृत्यु प्रमाण पत्र
आवेदन आए: 6,389, निपटारा: 5,467, प्रक्रियाधीन: 922

झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम 2011 से जुड़ी अन्य सेवाएं
आवेदन आए: 31,801, निपटारा: 26,609, प्रक्रियाधीन: 5,192

विधवा पेंशन
आवेदन आए: 5,771, निपटारा:4,815 प्रक्रियाधीन: 956

दाखिल खारिज वादों का निष्पादन
कुल आवेदन आए: 6,526, निपटारा: 3,934, प्रक्रियाधीन: 2,592

स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र
आवेदन आए: 77,885, निपटारा: 73,007, प्रक्रियाधीन: 4,878

लोक कल्याणकारी योजनाएं
आवेदन आए: 7,47,136, निपटारा: 5,54,720, प्रक्रियाधीन:1,92,416

जाति प्रमाण पत्र
आवेदन आए: 92,486, निपटाका: 87,099, प्रक्रियाधीन: 5,387

आय प्रमाण पत्र
आवेदन आए: 69,942, निपटारा: 67,565, प्रक्रियाधीन: 2,377

विकलांग पेशन
आवेदन आए: 3,423, निपटारा: 3,078, प्रक्रियाधीन:345

फैक्ट फाइल
कुल आवेदन: 12,94,915
निपटारा:10,26,004
प्रक्रियाधीन: 2,68,911

नशा मुक्ति को लेकर न्यायिक पदाधिकारी सड़क पर उतरे

GANDIV REPORTER

जामताड़ा। नालसा के निर्देश पर चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत जामताड़ा में जिला व्यवहार न्यायालय के सभी न्यायिक पदाधिकारी एवं प्रशासनिक पदाधिकारी सड़क पर उतरे और नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता रैली निकाली और नो ड्रग्स का नारा दिया।

राष्ट्रीय सेवा प्राधिकार के निर्देश पर जामताड़ा जिला व्यवहार न्यायालय के जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बैनर तले जिला व्यवहार न्यायालय के सभी न्यायिक पदाधिकारी पेनल अधिवक्ता एवं जिला प्रशासन के पदाधिकारी संयुक्त रूप से सड़क पर उतरे। उन्होंने नशा मुक्ति अभियान को लेकर जागरूकता रैली निकाली। जिला विधिक सेवा प्राधिकार समिति के अध्यक्ष प्रथम जिला सत्र न्यायाधीश राधा कृष्ण के नेतृत्व में जिला व्यवहार न्यायालय के परिसर से सभी न्यायिक पदाधिकारियों ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बैनर तले रैली निकाली। जो शहर के विभिन्न चौक चौराहा होते हुए अंत में जिला व्यवहार न्यायालय परिसर में जाकर समाप्त हो गई। सभी न्यायिक पदाधिकारी पैनल अधिवक्ता जिला के डीसी एसडीओ हाथ में तक का लेते हुए रैली में नारा लगाते हुए चल रहे थे। साथ ही लोगों को जागरूक भी कर रहे थे।

आठ दिवसीय एक्वा वर्ल्ड रिलायंस कार्निवल का भव्य समापन

एक्वा वर्ल्ड ने मनोरंजन के साथ दिया सामाजिक संदेश : डॉ प्रदीप

श्वेता तिवारी ने रैंप पर जलवा बिखेर मिसेज कार्निवाल का खिताब जीता

GANDIV REPORTER

रांची। एक्वा वर्ल्ड के द्वारा नव वर्ष के अवसर पर आठ दिवसीय नव वर्ष मेला रिलायंस कार्निवल 2026 का आज भव्य समापन हो गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि राज्यसभा के सांसद डॉक्टर प्रदीप वर्मा थे। डॉक्टर प्रदीप वर्मा ने अपने उद्बोधन में कार्निवल की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ती है। डॉक्टर वर्मा ने कहा कि नए वर्ष के अवसर पर एक्वा वर्ल्ड प्रबंधन ने रांची वासियों का बहुत अच्छे तरीके से मनोरंजन कराया उन्होंने कहा कार्निवल के जरिए ट्रांसजेंडर फैशन शो, दिव्यांग फैशन शो, ट्रैफिक क्विज, हेल्थ अवेयरनेस कैंपेन, आदि के जरिए सामाजिक संदेश भी दिया गया। डॉ वर्मा ने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी एक्वा वर्ल्ड प्रबंधन इस तरह के आयोजनों से रांचीवासियों का मनोरंजन करता रहेगा।

आज अंतिम दिन भी कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं की धूम रही। महिलाओं ने मिसेज कार्निवल कंपटीशन में रैंप पर कैटवॉक करके अपनी हुनर का परिचय दिया। श्वेता तिवारी को मिसेज कार्निवाल के खिताब से नवाजा गया। इसके अतिरिक्त डांस कंपटीशन में भी अलग-अलग डांस ग्रुपों ने लोगों को मंत्र मुक्त करके रखा। अकल बड़ी या भैंस सेल्फी थीम पर बड़ी संख्या में लोगों ने भैंस के साथ सेल्फी क्लिक किया।

आज समापन समारोह में मुख्य रूप से प्रतुल शाह देव ,डॉक्टर विद्या झा, सत्य प्रकाश चंदेल, लोकेश कुमार, विपुल नायक, देव ज्योति नहा, आनंद नायक, प्रदुम कुमार, उदय, अंजलि, कैला यादव आदि उपस्थित थे।

रांची की जनता, पुलिस और जिला प्रशासन का आभार : प्रतुल शाहदेव

एक्वा वर्ल्ड समूह के अध्यक्ष प्रतुल शाहदेव ने 8 दिवसीय रिलायंस कार्निवल के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन और रांची पुलिस का आभार प्रकट किया। प्रतुल ने कहा कि पूरे 8 दिन के कार्निवल में एक छोटी सी भी अप्रिय घटना नहीं हुई। उन्होंने आयोजन समिति, वॉलिंटियर्स और रांचीवासियों और कार्यक्रम के स्पॉन्सर के प्रति भी अपना आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि एक्वा वर्ल्ड भविष्य में भी लोगों को स्वस्थ मनोरंजन दिलाने के लिए कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं का आयोजन करता रहेगा।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता

मिसेज रांची : श्वेता तिवारी, सबा खान,स्वाति। जूरी - राखी मिश्रा।
डंगल टाइम विजेता : एंजेल,अंशुमान।
ड्रामा किंग्स एंड क्वीन शोडाउन : प्रियंशी शर्मा, ध्रुव कुमार।
बॉलीवुड ज्यूकबॉक्स विजेता : निशा, प्रियंशी, सुरभि।
ड्रेपिंग ड्यूड्स विजेता : साहिल, जितेंद्र, आर्यन।
मसाला मेनिया विजेता : गौरव, एस्थर थापा।
चिप्स ईटिंग प्रतियोगिता के विजेता : इशिका रानी, शिवम सिंह, अलिशा।

सुदुरवर्ती क्षेत्रों में योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दे पीएलवी : डालसा सचिव

साथी, जागृति आशा, डॉन, संवाद एवं जागृति योजना पर किया गया फोकस

GANDIV REPORTER

रांची। न्यायायुक्त के नेतृत्व में डालसा सचिव की अध्यक्षता में आज कान्फ्रेंश हॉल, रांची में लगभग 133 कार्यरत पीएलवी के साथ डालसा सचिव ने बैठक की। बैठक में उपस्थित पीएलवी के किये गये कार्यों की समीक्षा की गयी एवं कार्यरत सभी पीएलवी की क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत उन्हें कई दिशा-निर्देश दिये गये। बैठक को संबोधित करते हुए डालसा सचिव ने सभी पीएलवी से कहा कि गांवों, कस्बों व मुहल्लों में नालसा एवं झालसा स्कीम की समुचित जानकारी ग्रामीणों व असाहय लोगों को दें।

आगे उन्होंने कहा कि साथी, आशा, जागृति एवं डॉन योजनाओं की जानकारी लोगों को दें, लोग जागरूक होंगे, तभी उक्त योजनाओं का लाभ मिलेगा। डालसा सचिव ने पैनल अधिवक्ता एवं पीएलवी के दायित्वों पर मुख्य रूप से फोकस किये। उन्होंने उपस्थित पीएलवी को निर्देश दिये कि पीड़ित महिलाओं को चिन्हित करें, जिनको मुआवजा नहीं मिला हैं, उनका आवेदन डालसा कार्यालय में जमा कराकर, मुआवजा प्रदान करने में लाभुकों का मदद करें।

जरूरतमंदों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बारे में बताये एवं उन्हें सरकार द्वारा मिलनेवाली लाभकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताये, ताकि गरीब-तबके के लोग लाभ ले सकें। आगे उन्होंने कहा कि नालसा द्वारा संचालित योजना आशा, डॉन, जागृति, सम्वाद एवं साथी योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दे, ताकि वे इनका लाभ ले सके।

अंत में डालसा सचिव ने सभी पीएलवी के द्वारा किये गये कार्यों का भी अवलोकन किया और उन्हें अपने क्षेत्र में अच्छी तरह से काम करने के लिए कई दिशा-निर्देश भी दिये। बैठक में डालसा सचिव समेत जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के सभी कार्यरत पीएलवी उपस्थित थे।

हिंदी साहित्य भारती, झारखंड की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी हुआ संपन्न

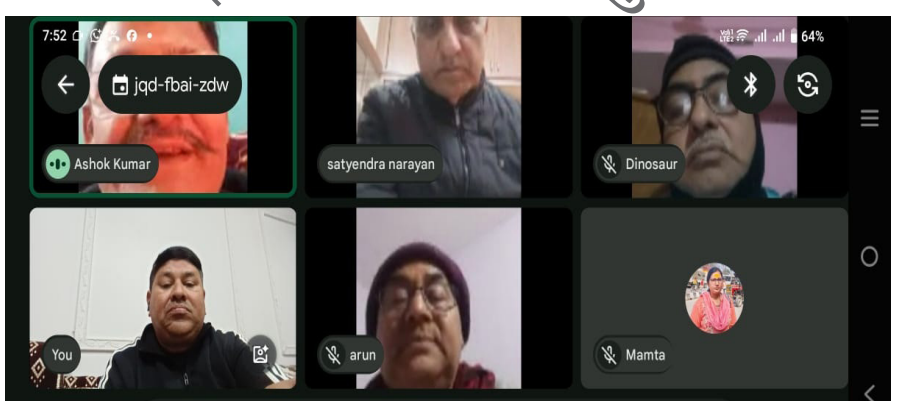

GANDIV REPORTER

रांची। नववर्ष 2026 के शुभ अवसर पर हिंदी साहित्य भारती, झारखंड द्वारा आयोजित ऑनलाइन काव्य गोष्ठी रविवार संध्या सफलतापूर्वक एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई। यह साहित्यिक आयोजन झारखंड के प्रभारी डॉ. अरुण कुमार सज्जन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। काव्य गोष्ठी में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिष्ठित साहित्यकारों और कवियों ने अपनी उत्कृष्ट काव्य प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रोताओं को भावविभोर किया। देश, समाज, संस्कृति, प्रेम, मानवीय संवेदना और नववर्ष के सकारात्मक संदेशों से ओतप्रोत रचनाओं ने कार्यक्रम को अत्यंत प्रभावशाली बना दिया। इस अवसर पर हिंदी साहित्य भारती, झारखंड के अध्यक्ष श्री अजय राय ने सभी सहभागी साहित्यकारों, पदाधिकारियों एवं श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के साहित्यिक आयोजनों से हिंदी भाषा और साहित्य को नई ऊर्जा मिलती है तथा रचनात्मक संवाद को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित यह काव्य गोष्ठी साहित्यिक एकता, रचनात्मक अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक चेतना का सशक्त उदाहरण बनी। कार्यक्रम में अशोक कुमार शुक्ला,बलराम पाठक,अनुज कुमार पाठक, श्रीमति ममता सिंह,रामप्रवेश कुमार,निशांत पाठक, रीना जी, कार्यक्रम का संचालन श्री सतेंद्र नारायण चौबे ने किया।

जूनियर मिस इंडिया में झारखंड की बेटी का जलवा

रांची। झारखंड की राजधानी रांची की नन्ही परी आहाना सिंह ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और मेहनत के बल पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। आहाना ने देश के प्रतिष्ठित ब्यूटी पेजेंट जूनियर मिस इंडिया सीजन 4 के ग्रैंड फिनाले में अपनी जगह पक्की कर ली है। अब आगामी 6 से 8 जनवरी 2026 तक राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित होने वाले इस राष्ट्रीय स्तर के भव्य आयोजन में आहाना सिंह रांची और पूरे झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह आयोजन जयपुर के प्रतिष्ठित होटल में संपन्न होगा, जहां देशभर से चयनित प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। 8 से 10 वर्ष आयु वर्ग की ग्रैंड फाइनलिस्ट आहाना सिंह डीपीएस रांची की छात्रा है। पढ़ाई के साथ-साथ आहाना कला और संस्कृति में भी विशेष रुचि रखती हैं। वह नेहरू कला केंद्र से शास्त्रीय नृत्य ओडिसी का प्रशिक्षण ले रही हैं, जिसने उनके व्यक्तित्व को और निखारा है। आहाना उन चुनिंदा प्रतिभाशाली बच्चों में शामिल हैं।

रांची के इनर रिंग रोड के चार और हिस्सों पर जल्द शुरू होगा काम, लंबाई-लागत सब तय

GANDIV REPORTER

रांची। राजधानी रांची इनर रिंग रोड की कवायद तेज हो गई है। ग्यारह हिस्से में प्रस्तावित 48.826 किमी लंबी इस परियोजना को चरणबद्ध तरीके से पूरा करने में पथ निर्माण विभाग तेजी से जुट गया है। चार हिस्सा जिसकी कुल लंबाई 19.46 किलोमीटर है। इसे तकनीकी मंजूरी दे दी गई है। अब प्रशासनिक स्वीकृति के लिए योजना प्राधिकृत की बैठक में प्रस्ताव को रखा जाएगा। इनर रिंग रोड 11 हिस्से में आकार लेगा। चार हिस्से पर काम शुरू करने के लिए प्रशासनिक स्वीकृति ली जाएगी। इसके बाद कैबिनेट में प्रस्ताव को रखा जाएगा। इनमें सेक्शन दो, जो झिरगा टोल से चिरौंदी तक 2.97 किमी लंबा होगा और इसके निर्माण में अनुमानित 164.68 रुपये की लागत आंकी गई है। इसे तकनीकी स्वीकृति देने के बाद प्रशासनिक मंजूरी के लिए प्रक्रिया की जा रही है। इस प्रक्रिया में सेक्शन तीन आशीर्वाद बैंक्वेट से बरियातू फायरिंग रेंज, सेक्शन नौ जगन्नाथपुर मंदिर से डीएवी पुंदाग और डीएवी हेहल से पंडरा तक सड़क शामिल है।

पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने विभागीय अधिकारियों को हर स्तर पर संबंधित विभागों के पदाधिकारियों से बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए सड़क के मार्ग में आ रही सभी प्रकार की बाधाओं को ससमय दूर करने का निर्देश दिया है। अन्य सात सेक्शन में से तीन पर काम जारी है। तीन हिस्से में सड़क मौजूद है और एक हिस्से का डीपीआर बन गया है, पथ निर्माण के अभियंता डीपीआर की स्क्रूटनी कर रहे हैं।

शहर के अंदर वैकल्पिक मार्ग का खुलेगा रास्ता

रांची में वर्तमान रिंग रोड 85 किलोमीटर लंबा है। प्रस्तावित आउटर रिंग रोड 48.826 किमी लंबा होगा। इन सड़कों तक पहुंच आसान बनाने और रांची के अंदर यातायात को सुगम करने के लिए इनर रिंग रोड बनाया जा रहा है। इनर रिंग रोड की मदद से शहर के अंदर वाहन चालकों को अपने गंतव्य के मुताबिक वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होंगे। यातायात विभाजित होने से जाम की समस्या का समाधान हो जाएगा।

लापता भाई-बहन की तलाश में जुटी पुलिस सुराग देने वाले को 51 हजार का इनाम घोषित

GANDIV REPORTER

रांची। राजधानी के धुर्वा थाना क्षेत्र से रहस्यमय तरीके से गायब हुए दो मासूम भाई-बहन, 5 वर्षीय अंश और 4 वर्षीय अंशिका का तीन दिन बाद भी कोई सुराग नहीं मिल पाया है। इस गंभीर मामले में रांची पुलिस ने अब दोनों बच्चों को ढूंढने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। पुलिस ने इन मासूमों का सुराग देने वाले व्यक्ति को 51 हजार रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

धुर्वा निवासी ये दोनों भाई-बहन दो जनवरी की शाम से ही लापता हैं। बच्चों की मां नीतू देवी के मुताबिक, दोनों बच्चे दोपहर करीब ढाई से तीन बजे के बीच घर से बिस्किट खरीदने के लिए निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। परिजनों ने बताया कि आखिरी बार उन्हें शुक्रवार (2 जनवरी) की शाम 4 बजे शालीमार बाजार और शहीद मैदान के पास देखा गया था।

बच्चों की मां ने आशंका जताई कि जिस दुकान से वे अक्सर बिस्किट लेते थे, वह बंद था। दुकान बंद होने के कारण वे आगे बढ़ गए, जिससे वे रास्ता भटक गए और घर वापस नहीं आ पाए। बच्चों के लापता होने की सूचना मिलते ही रांची पुलिस का पूरा महकमा उनकी तलाश में जुट गया है। तलाश को और तेज करने के लिए, रांची पुलिस ने अब बच्चों की तस्वीरों और इनाम राशि के साथ शहर के विभिन्न इलाकों में पोस्टर चस्पा किए हैं।

इन पोस्टरों के माध्यम से आम जनता से अपील की गई है कि यदि किसी को भी अंश और अंशिका के बारे में कोई जानकारी मिलती है, तो वह तुरंत पुलिस को सूचित करे। सुराग देने वाले को 51 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

विकास को मुंह चिढ़ाती दूषित जल से होने वाली मौतें

योगेन्द्र योगी
पत्रकार, स्तंभकार

इंदौर में जो हुआ उसने ये शक पैदा कर दिया है कि देश में कहीं भी ऐसी जहरीली मौत की सप्लाई हो सकती है। ऐसा तब होता है जब सारे नियम और मानक भुला दिए जाते हैं। भारत में सप्लाई वॉटर की गुणवत्ता और पाइपलाइनों के रखरखाव को लेकर मानक तय हैं। ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स सप्लाई वाले पानी के केमिकल, फिजिकल और बायोलॉजिकल पैरामीटर्स तय करता है। गाइडलाइंस कहती हैं कि उपभोक्ता के नल तक पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करना एजेंसी की जिम्मेदारी है।

केंद्र सरकार की तरफ से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, भारत अब 4.18 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इतनी बड़ी उपलब्धि के बावजूद देश में दूषित पेयजल जैसी बुनियादी समस्याएं विकास को मुंह चिढ़ा रही हैं। देश में स्वच्छता में नंबर एक रैंकिंग हासिल करने वाले मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में दूषित पानी से पीने से आठ लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में करीब सौ लोग बीमार हो गए। यह तस्वीर बताती है कि देश में पेयजल जैसी मूलभूत समस्याओं का समाधान अभी कोसो दूर है। सरकारें आंकड़ों के जरिए बेशक कितनी ही उपलब्धि का दावा कर लें किन्तु जमीनी हकीकत कुछ अलग है। जल गुणवत्ता सूचकांक में भारत 122 देशों में 120 वें स्थान पर है और देश के लगभग 70 प्रतिशत जल स्रोत प्रदूषित हैं।

इंदौर में जो हुआ उसने ये शक पैदा कर दिया है कि देश में कहीं भी ऐसी जहरीली मौत की सप्लाई हो सकती है। ऐसा तब होता है जब सारे नियम और मानक भुला दिए जाते हैं। भारत में सप्लाई वॉटर की गुणवत्ता और पाइपलाइनों के रखरखाव को लेकर मानक तय हैं। ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स सप्लाई वाले पानी के केमिकल, फिजिकल और बायोलॉजिकल पैरामीटर्स तय करता है। गाइडलाइंस कहती हैं कि उपभोक्ता के नल तक पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करना एजेंसी की जिम्मेदारी है। फिर वो सरकारी हो या प्राइवेट। गाइडलाइंस के मुताबिक पाइपलाइनों को 30 से 50 वर्ष के अंदर बदला जाना जरूरी है। अगर बार-बार लीकेज की शिकायत आती है तो बिना देरी किए पाइप बदला जाना चाहिए। इन गाइडलाइंस का कितना पालन होता है इंदौर की घटना के बाद इस पर सवाल उठ रहे हैं। जिस पर सफाई भी दी जा रही है।

जुलाई 2022 में गंदे पानी से जुड़े आंकड़े लैंसेट स्टडी में बताया गया कि भारत में करीब 1.95 लाख बस्तियों में लोग दूषित पानी पी रहे हैं। जिसकी वजह से साल 2019 में 23 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। शहर ही नहीं गांवों में भी साफ पानी की दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं। गंदे पानी में बैक्टीरिया, वायरस, टॉक्सिन्स और हेवी मेटल्स जैसे खतरनाक तत्व मौजूद होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। अशुद्ध पानी पीने से हैजा, पीलिया, पेचिश, गले की बीमारी, टायफाइड जैसी बीमारियां हो सकती हैं। भारत में हर दिन बड़ी संख्या में लोगों को दूषित पानी पीना पड़ता है।

कम्पोजिट वॉटर मैनेजमेंट इंडेक्स की रिपोर्ट के अनुसार भारत में दूषित यानी गंदा पानी पीने से हर साल दो लाख लोगों की मौत हो जाती है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2030 तक

करीब 600 मिलियन लोगों को पानी की कमी से जूझना पड़ सकता है, जो देश की कुल आबादी का 40% है। दूषित पानी की समस्या से सबसे ज्यादा दिल्ली और एनसीआर प्रभावित है। यहां की आबादी बढ़ने के साथ साफ पानी की मांग बढ़ गई है, लेकिन गंदे पानी की आपूर्ति कई लोगों की सेहत को खराब कर रही है। भारत में विश्व की कुल आबादी का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा निवास करता है, जबकि देश में पीने योग्य जल संसाधनों का मात्र 4 प्रतिशत भाग ही उपलब्ध है। देश में अत्यधिक जल दोहन तथा अकुशल प्रबंधन के कारण भू-जल स्तर में निरंतर गिरावट आ रही है। इसके परिणामस्वरूप आने वाले समय में देश को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

देश के कई राज्य इस समय पानी की भारी किल्लत से जूझ रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और तमिलनाडु देश के ऐसे टॉप तीन राज्य हैं, जहां के अधिकतर जिलों में पानी का संकट छाया हुआ है। मौजूद आंकड़ों के मुताबिक उत्तर प्रदेश के 38 जिलों के लोग पानी की किल्लत का सामना कर रहे हैं। इनमें से कई जिले ऐसे हैं, जिन्हें अति-दोहित, गंभीर और ह्यअर्ध-गंभीर श्रेणी में रखा गया। इसके बाद राजस्थान में 29 और तमिलनाडु में 22 जिले हैं। केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा मूल्यांकित भारत के गतिशील भूजल संसाधनों का राष्ट्रीय संकलन 2024 की रिपोर्ट के अनुसार देश भर के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 102 जिलों को ह्यअति-दोहितह्ल, 22 जिलों को ह्यगंभीरह्ल और 69 जिलों को ह्यअर्ध-गंभीरह्ल श्रेणी में रखा गया है। हरियाणा जैसे अन्य राज्यों में 16 अति-दोहित जिले हैं। पंजाब में 19 अति-दोहित और 1 गंभीर जिला है।

नीति आयोग के अनुसार, वर्तमान में स्वच्छ जल की अपर्याप्त पहुँच के कारण लगभग 60 करोड़ भारतीय गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं तथा इसके कारण प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख लोगों की मृत्यु होती है। वर्ष 2030 तक देश में जल की मांग, आपूर्ति की दोगुनी होने की संभावना है। इससे देश में करोड़ों लोगों को जल के गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा तथा देश के सकल घरेलु उत्पाद में 6 प्रतिशत की हानि होने की संभावना है। जल संसाधन मंत्रालय के एकीकृत जल संसाधन विकास के लिये राष्ट्रीय आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, उच्च उपयोग परिदृश्य में वर्ष 2050 तक जल की आवश्यकता 1,180 अरब घन मीटर होने की संभावना है। देश में जल की उपलब्धता वर्तमान में 1,137 अरब घन मीटर है। वर्ष 2030 तक देश की 40 प्रतिशत आबादी को पीने योग्य स्वच्छ जल उपलब्ध नहीं होगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, एक व्यक्ति को अपनी आवश्यकताओं के लिये प्रतिदिन 135 लीटर जल की आवश्यकता होती है जबकि सिर्फ भारत के कुछ बड़े शहरों जैसे- मुंबई, दिल्ली इत्यादि में शहरी विकास मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद प्रति दिन प्रति व्यक्ति को 150 लीटर से अधिक जल दिया जाता है। भारत प्रति व्यक्ति जल की खपत के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है। यहाँ प्रति व्यक्ति प्रति दिन जल की खपत लगभग 250 लीटर है। इसका प्रमुख कारण जल की बबार्दी तथा औद्योगिक खपत है। बढ़ती जनसंख्या एवं नगरीकरण देश में बढ़ते जल संकट का एक प्रमुख कारण है। वर्ष 2001 में प्रतिव्यक्ति जल की उपलब्धता 1816 घन मीटर थी जो कि वर्ष 2011 में घटकर 1545 घन मीटर हो गई और वर्ष 2031 तक इसके घटकर 1367 घन मीटर होने की संभावना है। जल-गहन फसलों की कृषि- देश की कुल कृषि योग्य भूमि के लगभग 54 प्रतिशत भाग पर जल-गहन फसलों जैसे- चावल, गेहूँ, गन्ना, कपास इत्यादि की कृषि की जाती है।

भारत में सिंचाई के लिए भूजल का 65% और पीने के पानी के लिए 85% हिस्सा है। इस पर अत्यधिक निर्भरता के कारण भूजल स्तर में भारी गिरावट आई है, खासकर पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और तमिलनाडु जैसे राज्यों में। सीमित जल संसाधनों के आवंटन को लेकर संघर्षों को भी जन्म देता है। केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को पार्क की जल आवश्यकताओं और स्थानीय किसानों की सिंचाई मांगों के बीच बार-बार होने वाले संघर्षों का सामना करना पड़ता है। इसी तरह महाराष्ट्र की ऊपरी गोदावरी परियोजना में पानी के असमान वितरण को लेकर विवाद उत्पन्न होते हैं। जल संसाधनों का अत्यधिक दोहन और सरकार की अपर्याप्त भागीदारी इन तनावों को और बढ़ा देती है।

ज्ञान, विवेक और आध्यात्मिक विकास में सहायक अंगारकी चतुर्थी

अशोक प्रवृद्ध

भारतीय संस्कृति और बहुदेववाद परंपरा में विशेष स्थान प्राप्त प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की पूजा किसी भी हवन, यज्ञ, पूजन, धार्मिक उत्सव, विवाहोत्सव, गृह निर्माण आदि शुभ कार्यों के प्रारंभ में सबसे पहले किये जाने की प्राचीन, पौराणिक, लौकिक व गौरवमयी परिपाटी है। मान्यता है कि अपने दायें हाथों में वीणा, कल्पलता, चक्र व मुद्रा और बाएं हाथों में कमल, रत्नकलश, सुंदर धान्य मंजरी व अभय मुद्रा धारण करने वाले, दिव्य रत्नों के समान दीप्तिमान वस्त्रधारी शुण्डादण्ड से सुशोभित सिंह के समान मुख तथा शंख व चंद्रमा के समान गौरवर्णीय शुभस्वरुप गणपति गणेश के पूजन से सभी कार्य निर्विघ्न समाप्त हो जाते हैं और वे सभी विनाश से भी बचाते हैं। भगवान गणेश का पूजन सभी अवसरों पर अनिवार्य व उत्तम माना जाता है, लेकिन गणेश भक्तों के मध्य चतुर्थी की तिथि अत्यंत शुभ व पवित्र तिथि के रूप में मान्य है। वे वर्ष के सभी महीने के दोनों ही पक्षों में आने वाली चतुर्थी तिथियों पर भगवान गणेश की विशेष पूजार्चना -उपासना विधि- विधान पूर्वक करना अपना धर्म समझते हैं। महीने के कृष्ण पक्ष में आने वाली चतुर्थी तिथियों पर की जाने वाली गणेश उपासना की यह तिथि संकष्टी (संकटहर) गणेश चतुर्थी के नाम से प्रसिद्ध है। वहीं शुक्ल पक्ष में आने वाली चतुर्थी तिथि को वैनायकी गणेश चतुर्थी कहा जाता है। गणेश भक्तों के द्वारा प्रत्येक महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत तथा शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत के नाम से गणेशोपासना किया जाता है। यह चतुर्थी की तिथि महीने के कृष्ण पक्ष की मंगलवार के दिन पड़ने पर इसे अंगारकी (अंगारिका) चतुर्थी अथवा अंगारकी संकष्टी चतुर्थी के नाम से जाना जाता है। गणेश भक्तों के लिए यह दिन विशेष उपवास और विशेष महत्व का होता है। इस वर्ष 2026 में 6 जनवरी, 5 मई और 29 सितम्बर को संकष्टी चतुर्थी तिथि मंगलवार को पड़ रही है। 6 जनवरी 2026 दिन मंगलवार को चतुर्थी तिथि का प्रारंभ प्रातः 8:02 बजे होगा तथा चतुर्थी तिथि का समापन 07 जनवरी 2026 को प्रातः 6:53 बजे होगी।

अंगारकी चतुर्थी का नाम संस्कृत भाषा के शब्द अंगारक से लिया गया है, जिसका अर्थ है- जलते हुए कोयले के अंगारों की भांति लाल। मान्यतानुसार इस दिन भगवान गणेश की पूजा- अर्चना और व्रत करने वालों की समस्त इच्छाएं पूर्ण होती हैं। इस दिन भगवान गणेश ने ऋषि भारद्वाज के पुत्र भगवान मंगल को आशीर्वाद दिया था, इसलिए अंगारकी चतुर्थी पर व्रत रखने वाले को भगवान गणेश के साथ ही भगवान मंगल का भी आशीर्वाद प्राप्त होता है, जिससे व्यक्ति समस्याओं से मुक्त होकर संतुष्ट और शांतिपूर्ण जीवन जीता है। अंगारकी चतुर्थी को सभी संकष्टी गणेश चतुर्थियों में सबसे शुभ माना जाता है। यह दिन मराठी संस्कृति के अनुयायियों के लिए विशेष महत्व का होता है। यह त्योहार भारत के पश्चिमी क्षेत्रों, विशेषकर महाराष्ट्र में धूमधाम से मनाया जाता है। महाराष्ट्र में इस दिन भगवान गणेश के मंदिरों में विशेष व्यवस्था की जाती है। और समारोहपूर्वक गणेशोपासना गीत-संगीत व नृत्य के साथ की जाती है। अंगारकी चतुर्थी के संबंध में एक पौराणिक कथा भी प्रचलित है।

अंगारकी चतुर्थी के संबंध में गणेश पुराण के उपासना खंड में अंकित कथा के अनुसार पृथ्वी माता और भारद्वाज ऋषि के पुत्र अंगारक (मंगला) एक सिद्ध ऋषि थे। देवी पृथ्वी ने ऋषि भारद्वाज के पुत्र मंगला की बाल्यकाल में सात वर्षों तक देखभाल की और फिर उसे उसके पिता को सौंप दिया। मंगला ने अपने पिता से वेद और पुराणों का ज्ञान प्राप्त किया। भगवान गणेश के प्रति उनकी अत्यधिक श्रद्धा व भक्ति थी और वह उनका आशीर्वाद पाने के लिए तपस्या करना चाहते थे। ऋषि भारद्वाज ने उन्हें गणपति मंत्र सिखाया और गणेश का ध्यान करने के लिए भेज दिया। मंगला ने वर्षों तक गणेश की भक्ति में लीन रहकर तपस्या की। माघ कृष्ण चतुर्थी पर भगवान गणेश ने प्रसन्न होकर अपने दिव्य रूप में प्रकट होकर मंगला से कहा कि वह मंगला की भक्ति से प्रभावित अति प्रसन्न हैं और उसे वरदान मांगने का अवसर देते हैं। यह सुन मंगला ने कहा- हे भगवान! मैं स्वर्ग के सभी देवताओं के साथ अमृतपान करना चाहता हूं। मेरा नाम तीनों लोकों में विख्यात हो। चूंकि मैंने आपको माघ कृष्ण चतुर्थी के दिन देखा, इसलिए यह दिन विशेष होना चाहिए और इस दिन आपके लिए व्रत रखने वाले व्यक्तियों की मनोकामनाएं पूरी हों।

झारखंड

दुमका में दिनदहाड़े ई-रिक्शा चालक की हत्या गुस्साए लोगों ने सड़क पर शव रखकर किया जाम

GANDIV REPORTER

दुमका। जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड मुख्यालय स्थित चौंक पर एक ई रिक्शा चालक की हत्या के विरोध में शव को एनएच 114 अ पर रखकर जाम कर दिया गया है। प्रदर्शनकारी हत्या में शामिल लोगों की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग कर रहे हैं। इस जाम से यात्री और माल वाहक वाहनों की लंबी कतार लग गई है।

क्या है पूरा मामला

दरअसल, दुमका जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के शिमला ढाका गांव में दो पक्षों के बीच में जमीन विवाद चल रहा था। इसे सुलझाने के लिए एक पक्ष कल रविवार को सफारुद्दीन मियां के ई रिक्शा से थाना जा रहे थे। इस दौरान दूसरे पक्ष के द्वारा ई-रिक्शा को रोक लिया गया और चालक सफारुद्दीन से उलझ पड़े कि तुम इन लोगों को अपने रिक्शा में क्यों बैठाया, तुम इसकी तरफदारी करते हो। विवाद बढ़ने लगा तो दूसरे पक्ष के लोगों ने ई रिक्शा चालक सफारुद्दीन को लात घुसे और लाठी से पिटाई कर दी। घायल अवस्था में उसे शिकारीपाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। हालांकि बाद में बेहतर इलाज के लिए दुमका मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। वहां से भी चिकित्सकों ने वर्धमान रेफर कर दिया। जहां उसकी मौत हो गई।

शव के साथ किया सड़क जाम

आज जैसे ही शव उसके घर पहुंचा तो परिजन और अन्य ग्रामीण आक्रोशित हो गए और उन्होंने डेडबॉडी को सीधे उठाकर शिकारीपाड़ा थाना से कुछ ही दूर पर स्थित बीच चौक पर रखकर एनएच114 अ दुमका रामपुरहाट मार्ग को जाम कर दिया है। मृतक के रिशतेदार मोइन अंसारी का कहना है कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए और मृतक के परिवार वालों को उचित मुआवजा दिया जाए। उन्होंने बताया कि मृतक की छह पुत्री है। इनका लालन-पालन अब कैसे होगा। मोइन ने इस घटना के लिए करीम मियां, कोबाद मियां, जलील अंसारी अब्दुल मियां, रमजान अंसारी और बशीर मियां को जिम्मेदार ठहराया है।

मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी

मृतक के परिजनों द्वारा सड़क जाम किए जाने की वजह से दुमका-रामपुरहाट मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। इसमें यात्री वाहन के साथ-साथ मालवाहक वाहन भी फंस गए। खास तौर पर तारापीठ जाने वाले श्रद्धालुओं के कई वाहन जाम में है। इधर, मौके पर शिकारीपाड़ा थाना प्रभारी अमित लकड़ा पहुंचे और परिजनों को समझाने बुझाने का काम किया।

उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद कल रात में ही छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जिसमें से दो लोगों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि बाकी अन्य लोगों की भी जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। साथ ही प्रशासनिक पदाधिकारी के आने के बाद इन्हें उचित मुआवजा भी दिलाया जाएगा।

लापता बच्चे का शव कुआं से बरामद परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

GANDIV REPORTER

पलामू। जिला में पड़वा थाना क्षेत्र के पड़वा में 1 जनवरी से लापता एक दो वर्ष के बच्चे का शव कुआं से बरामद किया गया है। पुलिस इस मामले की जांच में जुट गयी है। जिस कुआं से बच्चे का शव बरामद हुआ है। वह बच्चे के घर के पिछले हिस्से में कुछ सौ मीटर की दूरी पर है। कुआं चारों तरफ से झाड़ियां से गिरा हुआ है। कुआं तक आसानी से नहीं पहुंचा जा सकता है। पूरे मामले में परिजनों ने बच्चों की हत्या की आशंका जाहिर की है। पुलिस ने बच्चे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले में छानबीन शुरू कर दी है। पड़वा के रहने वाले प्रदीप कुमार मेहता का इकलौता पुत्र अंकुश राज 1 जनवरी से लापता था। वह अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था और अचानक लापता हो गया था। परिजनों पूरे मामले में स्थानीय थाना को भी लापता होने की जानकारी दी। पुलिस अपने स्तर से भी खोजबीन कर रही थी।

रविवार को एक महिला कुआं के पास में गई और देखा कि एक बच्चे का शव पानी में है। महिला द्वारा शोर मचाए जाने के बाद अन्य ग्रामीण जमा हुए और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से बच्चे के शव को बाहर निकला जिसकी पहचान अंकुश राज के रूप में हुई। परिजनों ने पूरे मामले में हत्या की आशंका जाहिर की है।

इस मामले को लेकर पड़वा के थाना प्रभारी अंचित कुमार ने बताया कि कुआं से एक बच्चे का शव मिला है, जिसकी पहचान तीन से लापता बच्चे के रूप में हुई है। पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस ने कुएं के पानी का सैंपल भी लिया है।

दहेज के लिए गर्भवती महिला की हत्या ससुराल वालों पर जिंदा जलाने का आरोप

GANDIV REPORTER

बोकारो। जिले के पेटरवार थाना क्षेत्र के अंगवाली गांव में दहेज की मांग को लेकर एक गर्भवती महिला की जान ले ली गई। आरोप है कि दहेज के लिए ससुराल वालों ने जिंदा जला कर महिला की हत्या कर दी। इस अमानवीय घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने महिला के पति को गिरफ्तार कर लिया है। आगे की जांच की जा रही है।

मामले की जानकारी देते हुए मृतका के भाई ने बताया कि नीतू कुमारी (29) की शादी करीब तीन साल पहले अंगवाली के रहने वाले विनोद रविदास से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही उसके पति और ससुराल वाले दहेज की मांग को लेकर नीतू को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। प्रताड़ना के बाद सामाजिक स्तर पर समझौता भी कराया गया। लेकिन हालात नहीं सुधरे।

मृतका के परिवार का आरोप है कि 18 दिसंबर को जब नीतू कुमारी किचन में खाना बना रही थी, तभी उसे पीछे से आग लगा दी गई। जिससे वह 85 से 90 प्रतिशत जल गई थी। उसे गंभीर हालत में बीजीएच बोकारो में भर्ती कराया गया, जहां 1 जनवरी को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उसके परिवार ने नीतू के पति विनोद रविदास, सास तेतरी देवी और साडम के रहने वाले मामा कारू रविदास पर मिलकर आग लगाने और हत्या करने का आरोप लगाया है।

लातेहार में जंगली हाथी का उत्पात, एक व्यक्ति की मौत

गांव वालों की अटकी रही सांसें

GANDIV REPORTER

लातेहार। जिले के विभिन्न प्रखंडों में इन दिनों जंगली हाथियों का आतंक चरम पर है। जंगली हाथी रोज किसी न किसी गांव में पहुंचकर लोगों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसी क्रम में जंगली हाथियों ने पलामू टाइगर रिजर्व के छिपादोहर वन क्षेत्र अंतर्गत मतनाग गांव के पास एक ग्रामीण को मार डाला। मृतक की पहचान वीरेंद्र कोरबा के रूप में हुई है। वीरेंद्र कोरबा सामान की खरीदारी कर वापस अपने गांव जा रहा था। इसी दौरान हाथियों ने उस पर हमला कर दिया। रेंजर अजय टोप्पो ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सरकारी प्रावधान के तहत मृतक के परिजनों को मुआवजा दिया जाएगा।

गम्हरिया टोला में एक बच्चे के साथ पहुंचा हाथी : वहीं एक जंगली हाथी अपने एक बच्चे के साथ पलामू टाइगर रिजर्व के छिपादोहर वन क्षेत्र अंतर्गत गम्हरिया टोला में भी देखा गया। गांव में जंगली हाथी के पहुंचने से पूरे गांव में हड़कंप मच गया। लगभग 3 घंटे तक लोगों की जान जोखिम में रही।

हालांकि सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम गांव पहुंची और सुरक्षित हाथी को गांव से बाहर निकाला गया। बता दें कि पलामू टाइगर रिजर्व के जंगलों में जंगली हाथियों का बसेरा रहता है। लेकिन दिन के उजाले में जंगली हाथी कभी गांव में नहीं आते हैं। पलामू टाइगर रिजर्व के इलाके में रहने वाले हाथियों का झुंड जब रात में जंगल से निकलता है तो वह खेत खलिहानों में जाकर फसलों को नुकसान करता है। गांव के बीचो-बीच हाथी नहीं के बराबर ही आते हैं।

काफी आक्रामक हो गया था हाथी : लोगों के द्वारा शोर मचाने और पत्थर फेंक कर हाथी को मारने से हाथी और भी आक्रामक हो गया था।

ग्रामीणों ने इसकी सूचना तत्काल वन विभाग को दी। सूचना मिलने के बाद रेंजर अजय टोप्पो के निर्देश पर वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद हाथी और उसके बच्चे को गांव से बाहर निकाला गया।

कम आक्रामक है पलामू टाइगर रिजर्व के जंगली हाथी

मामले को लेकर पलामू टाइगर रिजर्व के रेंजर उमेश दूबे ने बताया कि पलामू टाइगर रिजर्व में रहने वाले हाथी काफी कम आक्रामक होते हैं। उक्त हाथी ना तो किसी ग्रामीण का घर तोड़ते हैं और ना ही उन्हें ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि पलामू टाइगर रिजर्व के इलाके में रहने वाले हाथियों को छेड़ा ना जाए तो किसी को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। पीटीआर के रेंजर ने कहा कि दूसरे जंगलों से भटक कर जो हाथी पीटीआर इलाके में पहुंचते हैं, उन्हीं के द्वारा ग्रामीणों के घर को ध्वस्त किया जाता है। साथ ही जान माल को नुकसान पहुंचाया जाता है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि किसी भी सूरत में हाथियों अथवा किसी अन्य जंगली जानवर को परेशान ना करें। उन्होंने कहा कि अगर जानवरों से कोई परेशानी हो तो इसकी सूचना वन विभाग को दें।

RNI NO : JHABIL/2019/85684, Printed and Published by SHREE KANT SINGH on behalf of M/s PAHARI BABA VENTURES PVT LTD and Printed at KHABAR MANTRA PRESS, M/s VRINDA MEDIA PUBLICATIONS PVT LTD, Plot no-342,344 Chiroundi, Boreya Road, Ranchi, Jharkhand-834008 and Published at B-13, JP Market, Dhurwa, Ranchi-834004, Jharkhand, Ph.-06207706623. Editor- **Amarkant*** responsible for selection of news under the PRB Act.

कभी अकेले में हार्ट अटैक आ जाए तो क्या करना चाहिए? डॉक्टर से जान लें इमरजेंसी टिप्स

हार्ट संबंधी बीमारियां आजकल काफी कॉमन होती जा रही हैं। खासतौर से भारत में तो युवाओं में भी हार्ट अटैक के केस काफी तेजी से बढ़े हैं। इसके पीछे आधुनिक जीवनशैली काफी हद तक जिम्मेदार है। जंक फूड का बढ़ता सेवन, स्ट्रेस, सही नींद ना लेना, फिजिकल एक्टिविटीज का अभाव जैसी कई चीजें हैं, जो हार्ट पर बोझ बन रही हैं। खैर, ऐसे में ये तो साफ है कि अपने लाइफस्टाइल में सुधार करना बेहद जरूरी है लेकिन साथ ही किसी इमरजेंसी के लिए भी तैयार रहना चाहिए। हार्ट अटैक एक मेडिकल इमरजेंसी है, इसलिए इसमें कुछ सेकेंड भी काफी मायने रखते हैं। कई मामलों में हार्ट अटैक आने पर पेशेंट अकेले होते हैं, और उन्हें पता भी नहीं होगा कि इससे डील कैसे करना है। डॉ जुबैर अहमद ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसी बारे में बताया है, आइए जानते हैं।

तुरंत क्या करना चाहिए?

स्टेप 1: इमरजेंसी सर्विस को कॉल करें

जैसे ही आपको हार्ट अटैक के लक्षण महसूस होते हैं, तुरंत 108 या कोई लोकल इमरजेंसी नंबर डायल करें। उठाने वाले से अपने सभी लक्षण बिल्कुल साफ-साफ बताएं और तब तक कॉल ना काटें, जब तक वहां से ना कहा जाए। वो जो भी कहते हैं, आपको उसे फॉलो करना है।

स्टेप 2: एस्पिरिन की गोली लें

अब आपको एक एस्पिरिन की गोली को चबाकर निगल लेना है। ये ब्लड को क्लॉट होने से बचाती है। अपने फर्स्ट एड बॉक्स में एस्पिरिन की गोली हमेशा आपको रखनी चाहिए।

स्टेप 3: सेफ पोजीशन में रेस्ट करें

आराम से बैठ जाएं। अगर आपको चक्कर आ रहे हैं या बेहोशी जैसी स्थिति हो रही है, तो अपने घुटने हल्के मोड़कर करवट ले कर लेट सकते हैं। इस दौरान ज्यादा चलने, सीढ़ियां चढ़ने-उतरने से परहेज करें।

स्टेप 4: किसी को सपोर्ट के लिए कॉल करें

अपने किसी भी दोस्त, फैमिली मेंबर या पड़ोसी को कॉल कर के बताएं कि आपको हार्ट अटैक जैसे लक्षण महसूस हो रहे हैं। मेडिकल हेल्प आने तक ये आपकी मदद कर सकते हैं।

स्टेप 5: दरवाजा खोलकर रखें

अगर हो सके तो अपने घर का दरवाजा खोल दें। इससे मेडिकल हेल्प तुरंत आ सकती है और कई जरूरी मिनट बच सकते हैं।

स्टेप 6: जितना हो सके शांत रहें

ज्यादा पैनिक होने से आपके हार्ट पर दबाव पड़ सकता है। इसलिए कोशिश करें कि शांत रहें। धीरे-धीरे गहरी सांस लें। जब आप शांत रहेंगे तो ऑक्सीजन की डिमांड भी कम होगी।

क्या चीजें बिल्कुल नहीं करनी हैं?

* कोई भी लक्षण नजरंदाज ना करें।
* घरेलू नुस्खे और वायरल ट्रिक फॉलो करने से बचें।
* खुद ड्राइव ना करें। अगर लक्षण काफी ज्यादा गंभीर हैं।

क्या तेज खांसने से अटैक रुक सकता है?

हार्ट अटैक को ले कर काफी सारे मिथ फैले हुए हैं। जैसे कफ सीपीआर यानी हार्ट अटैक आने पर जोर जोर से खांसने से फायदा हो सकता है। हालांकि डॉक्टर कहते हैं कि इन बातों का कोई भी वैज्ञानिक आधार नहीं है। हार्ट अटैक रोकने के लिए जोर-जोर से खांसना, अपनी सांस रोक लेना, पानी पीना या सीधा लेट जाना; ये सभी सिर्फ मिथक हैं और इनसे बचना चाहिए। इस दौरान सबसे कीमती आपका समय होता है, इसीलिए बेकार की चीजों में वक्त बर्बाद ना करें।

सबसे पहले लक्षण समझना है जरूरी

हार्ट अटैक आने पर सबसे पहले इसकी पहचान करना जरूरी है। डॉक्टर कहते हैं कि हार्ट अटैक के कुछ शुरूआती लक्षण आप पहचान सकते हैं। जैसे आपके सीने में तेज दवाब महसूस हो रहा है काफी तेज दर्द है। साथ ही ये दर्द आपके बाएं हाथ, जबड़े और कमर तक फैल रहा है, सांस लेने में तकलीफ हो रही है। ठंडा पसीना आना, जी मिचलाना, चक्कर आना और अचानक से काफी घबराहट और बेचैनी महसूस करना; ये कुछ लक्षण आपको महसूस हो सकते हैं।

सर्दियों में टमाटर का सूप पीने से सेहत को मिलते हैं यह पांच गजब के फायदे

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही अकसर कुछ चटपटा और गरमा-गरम खाने की क्रेविंग भी शुरू हो जाती है। अपनी इस क्रेविंग को पूरा करने के लिए लोग कई बार अनहेल्दी ऑप्शन चुन लेते हैं। जो सेहत पर बुरा असर डालते हैं। ऐसे में ठंड के मौसम में आपकी सेहत और स्वाद दोनों का ख्याल रखता है टमाटर का सूप। टमाटर में क्रोमियम, पोटेशियम, विटामिन-ए, सी, इ, अल्फा, बीटा, ल्यूटिन और लाइकोपीन कैरोटेनॉयड्स जैसे कई गुण पाए जाते हैं, जो मोटापे से लेकर सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को दूर रखने में मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं टमाटर का सूप पीने से सेहत को मिलते हैं क्या फायदे।

बेहतर ब्लड सकुर्लेशन

टमाटर के सूप में मौजूद सेलेनियम एनीमिया से बचाव करके बॉडी में ब्लड सकुर्लेशन को बेहतर बनाए रखने का काम करता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स भी बेहतर ब्लड सकुर्लेशन के लिए टमाटर का सूप पीने की सलाह देते हैं।

हाई बीपी में फायदेमंद

टमाटर में मौजूद पोटेशियम शरीर में सोडियम लेवल को संतुलित बनाए रखने में मदद करता है। अगर आप हाई बीपी रोगी हैं तो टमाटर के सूप का सेवन करें। हालांकि टमाटर का सूप बनाते समय उसमें नमक की मात्रा का ध्यान रखें या नमक डालने से बचें।

वेट लॉस

टमाटर का सूप नियमित पीने से वेट लॉस में भी मदद मिल सकती है। टमाटर का सूप फाइबर से भरपूर होता है, जो लंबे समय तक पेट को भरा रखता है। जिससे व्यक्ति को जल्दी भूख नहीं लगती और वो एक्स्ट्रा कैलोरी लेने से बच जाता है। जिससे वेट लॉस में मदद मिल सकती है।

अच्छा पाचन

सर्दियों में लोग अकसर पाचन संबंधी दिक्कतों से परेशान रहते हैं। ऐसे में आप पाचन तंत्र को बेहतर बनाए रखने के लिए टोमेटो सूप का सेवन कर सकते हैं।

शुगर लेवल रखें कंट्रोल

टमाटर में मौजूद क्रोमियम ब्लड शुगर कंट्रोल रखने में मदद कर सकता है। इसके अलावा टमाटर में मौजूद नारिंगिन नाम का फ्लेवोनोइड्स एंटी-डायबिटिक के रूप में काम करके ब्लड शुगर लेवल को कम कर सकता है।

घर पर बनायें कश्मीरी लाल पनीर

जब कश्मीर में जितना पसंद नॉन वेज डिशेज को किया जाता है, उतना ही पसंद खट्टे बैंगन और दम आलू को किया जाता है। वाजवान पनीर चमन एक ऐसी वेजिटेरियन डिश है, जो स्थानीय लोगों के बीच लोकप्रिय है। इसे लाल पनीर मसाला भी कहा जाता है। पनीर की इस रेसिपी में ऐसे मसाले होते हैं, जो सर्दियों में शरीर को गर्म भी रखते हैं। अगर आपके घर में पार्टी है, तो रोजाना वाले मटर पनीर को भूलकर आप इन डिश को ट्राई कर सकते हैं। अगर आप भी इस रेसिपी का आनंद लेना चाहते हैं, तो आइये जानते हैं इसे बनाने का तरीका।

बनाने की विधि

पनीर बनाने के लिए पहले एक हांडी में पानी, हल्दी पाउडर, स्वादानुसार नमक, देगी लाल मिर्च पाउडर आर पनीर डालें। इसे मध्यम आंच पर 7-8 मिनट तक पकाएं। पनीर अच्छे से पक जाना चाहिए। पनीर पक जाए, तो आंच बंद करके इसे अलग ट्रे या प्लेट में डालकर रख लें। इसे आगे उपयोग करना होगा। वहीं एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें प्याज डालकर प्याज को कैरेमलाइज कर लें। फ्राई किया गया प्याज पनीर की ग्रेवी में इस्तेमाल होगा। जब प्याज फ्राई हो जाए, तो उसे निकालकर ठंडा करें और फिर बारीक-बारीक काट लें।

अब हांडी को गर्म करें और उसमें पानी, बारीक कटा फ्राइज प्याज, देगी लाल मिर्च पाउडर, घी, एक चुटकी हींग, तेज पत्ता, दालचीनी, काली इलायची डालें और इसे थोड़ी देर के लिए उबलने दें। पनीर के टुकड़ों को मोटा-मोटा काट लें। एक पैन में सरसों का तेल डालकर गर्म करें। इसमें पनीर के मोटे टुकड़े डालकर उन्हें दोनों तरफ से सुनहरा भूरा कर लें। फ्राइड पनीर को अलग रख लें। पनीर के लिए ग्रेवी मसाला बनाने के लिए एक पैन में बचा हुआ सरसों का तेल डालें। इसे गर्म करें और इसमें ताजा टमाटर प्यूरी डालकर मिला लें।

इसके बाद पैन में देगी लाल मिर्च पाउडर, स्वादानुसार नमक और चीनी डालकर टमाटर का कच्चापन निकालने के लिए अच्छे से पकाएं। अब पैन में सूखा अदरक पाउडर, सौंफ पाउडर और तले हुए प्याज का पेस्ट डालें और मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक पकाएं। इस तैयार मसाला को पनीर वाली हांडी में डालकर फिर धीमी आंच पर पकाते रहें। ध्यान रखें कि पनीर को ज्यादा चलाएं नहीं वरना पनीर टूट सकता है। ग्रेवी जब गाढ़ी हो जाए, तो इसमें बारीक कटा धनिया डालकर गार्निश करें। इसे स्टीम राइस के साथ गर्मागरम परोसें।

सामग्री

800 ग्राम ताजा पनीर, 2-3 लीटर पानी, छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, नमक स्वादानुसार, छोटा चम्मच देगी लाल मिर्च पाउडर, 1 लीटर पानी, 1-2कप तले हुए प्याज, 1-/बड़ा चम्मच देगी लाल मिर्च पाउडर, 1-2 कप घी, एक चुटकी हींग, 2-3 तेज पत्ता, 1 इंच दालचीनी, 2 काली इलायची, तला हुआ पनीर, 2-3 बड़े चम्मच हरा धनिया, कप सरसों का तेल, पका हुआ पनीर, 2 बड़ा चम्मच बचा सरसों का तेल, 1 कप ताजा टमाटर की प्यूरी, बड़ा चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादानुसार, छोटा चम्मच चीनी, बड़ा चम्मच सौंठ का पाउडर, बड़ा चम्मच सौंफ का पाउडर, 2 बड़ा चम्मच तला हुआ प्याज का पेस्ट, गार्निश के लिए धनिया

सर्दियों में तमाम लोग नहाते हुए करते हैं ये गलती, डैंड्रफ है सबसे बड़ी वजह

हर दिन नहाना लाइफस्टाइल से जुड़ी एक आदत है। जब तक आप गंदे या पसीने से तर न हो तब तक नहाने की कोई खास जरूरत है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक नहाने से आपकी त्वचा से हेल्दी ऑयल और बैक्टीरिया निकल जाते हैं। इसलिए ज्यादा नहीं नहाना चाहिए। बार-बार नहाने से आपकी त्वचा रूखी और खुजलीदार हो सकती है और खराब बैक्टीरिया फटी त्वचा के जरिए आपके शरीर में प्रवेश कर सकते हैं।

जब आप अपने शरीर को सामान्य गंदगी और बैक्टीरिया के संपर्क में लाते हैं। तो यह वास्तव में आपकी इम्युनिटी प्रणाली को मजबूत करने में मदद करता है।नहाते वक्त ये गलती भूल से भी न करेंएंटीबैक्टीरियल साबुन बहुत ज्यादा बैक्टीरिया को मार सकते हैं। जिसमें अच्छे किस्म के बैक्टीरिया भी शामिल हैं। इससे एंटीबायोटिक के प्रति प्रतिरोधी खराब बैक्टीरिया त्वचा में प्रवेश कर सकते हैं। कठोर साबुन आपकी त्वचा को रूखा कर सकते हैं। इसलिए अतिरिक्त तेल वाले हल्के साबुन, सौम्य क्लींजर या मॉइस्चराइजय वाले शॉवर जेल का इस्तेमाल करें। अगर आपको एक्जिमा या संवेदनशील त्वचा है। तो सुगंधित साबुन आपकी त्वचा को परेशान कर सकते हैं। इसके बजाय सुगंध रहित साबुन का इस्तेमाल करें।सप्ताह में तौलिए को एक बार जरूर धोएंनम तौलिए बैक्टीरिया, यीस्ट, फफूंद और वायरस के लिए प्रजनन स्थल होते हैं।

गंदे तौलिये से नाखूनों में फंगस, जॉक खुजली, एथलीट फुट और मस्से हो सकते हैं। इससे बचने के लिए, अपने तौलिये को सप्ताह में कम से कम एक बार बदलें या धोएं और सुनिश्चित करें कि यह उपयोग के बाद सूख जाए। इसे जल्दी सूखने में मदद करने के लिए हुक से लटकाने के बजाय तौलिया बार पर फैलाकर लटकाएं। जब आप बीमार हों और अगर आपका घर नमी वाला हो। जैसे गर्मियों के दौरान, तो तौलिये को ज्यादा बार धोएं।लूफा को ऐसे साफ करेंलूफा स्क्रबिंग के लिए बहुत बढ़िया होते हैं।

लेकिन उनके कोने कीटाणुओं के लिए एकदम सही छिपने की जगह होते हैं। आपको अपने लूफा को हर हफ्ते पांच मिनट के लिए पतला ब्लीच में भिगोकर और अच्छी तरह धोकर साफ करना चाहिए। हालांकि अपने लूफा को शॉवर में रखना सुविधाजनक है। लेकिन इसे हिलाकर किसी ठंडी जगह पर टांग देना ज्यादा सुरक्षित है जहां यह जल्दी सूख जाएगा ।आपको प्राकृतिक लूफा को कम से कम हर 3 से 4 हफ्ते में और प्लास्टिक वाले को हर 2 महीने में बदलना चाहिए।

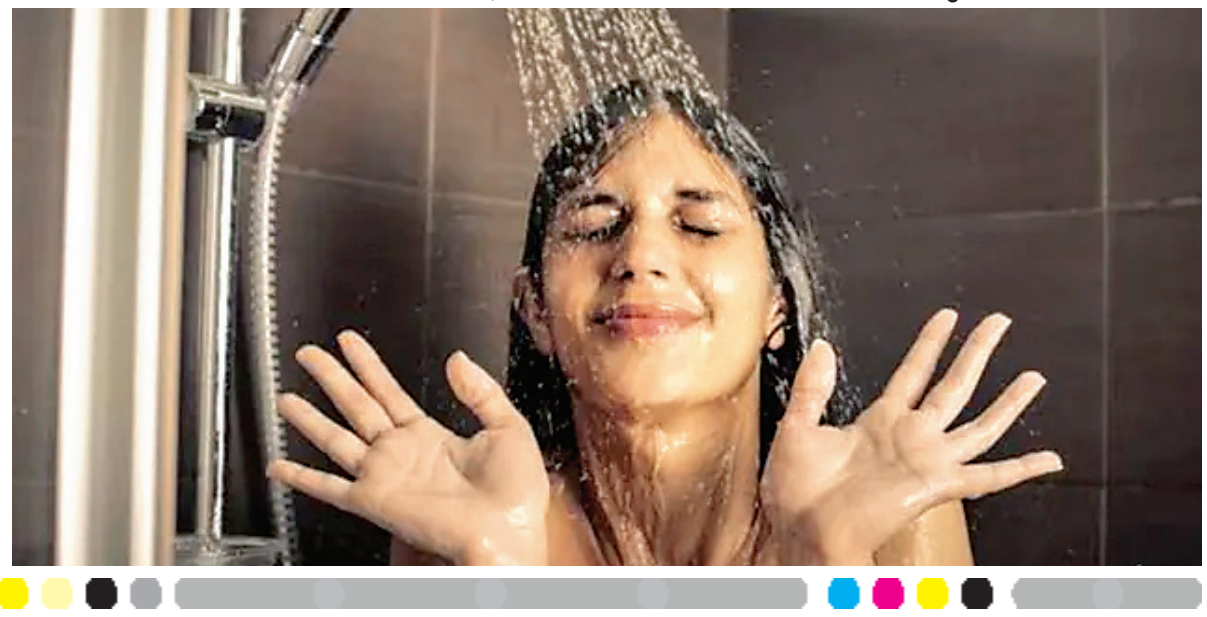

रात में संगम क्षेत्र स्वर्ग समान नजर आ रहा, नावों पर एलईडी लाइट से सजी रंगीन छतरियां, जल में सात रंगों के फव्वारे और घाटों पर कलर-कोडेड चेंजिंग रूम अद्भुत दृश्य

परिसीमन ने बदला असम का सियासी समीकरण

अब एनडीए जीतेगी 103 सीटें : हिमंता

GANDIV REPORTER

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने हालिया परिसीमन को आधार बताते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा-एनडीए गठबंधन के लिए 126 में से 103 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। यह दावा राज्य में भाजपा की मजबूत चुनावी रणनीति को दशार्ता है, जबकि विपक्ष में कांग्रेस भी प्रियंका गांधी के नेतृत्व में अपनी तैयारियों में जुटी है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में उसके सहयोगी मार्च-अप्रैल में होने वाले विधानसभा चुनावों में 126 सीटों में से 103 सीटें जीतने की संभावना रखते हैं। सरमा ने कामरूप महानगरपालिका जिले के दिमोरिया में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि मैं सटीक आंकड़ा नहीं देना चाहूंगा, लेकिन इस बार हमारे पास 103 सीटें जीतने का मौका है। पहले यह संभावना लगभग 90 सीटों की थी, लेकिन सीटों के परिसीमन के बाद यह संख्या 13-15 सीटों से और बढ़ गई है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव द्वारा शनिवार देर रात जारी अधिसूचना में कहा गया है कि पार्टी नेता प्रियंका गांधी वाड्रा को आगामी असम विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की चयन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। चुनाव आयोग (ईसी) ने अगस्त 2023 में राज्य की 126 विधानसभा सीटों और 14 लोकसभा सीटों का परिसीमन पूरा कर लिया था, जिसके परिणामस्वरूप दोनों श्रेणियों में कई निर्वाचन क्षेत्रों का बड़े पैमाने पर पुनर्निर्धारण हुआ। भाजपा ने उस समय कहा था कि इस प्रक्रिया से राज्य की स्वदेशी आबादी के लिए अधिकांश सीटें सुरक्षित करने में मदद मिलेगी।

सरमा ने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी दल 103 सीटों पर पूरी ताकत से चुनाव लड़ेंगे। शेष 23-24 सीटों पर हमारी जीत की संभावना बहुत कम है। उन सीटों पर प्रतीकात्मक मुकाबला होगा। जिन 103 सीटों पर हम कड़ी टक्कर देंगे, उनमें से मतदाता हमें 100, 90 या 80 सीटें दे सकते हैं। भाजपा वर्तमान में असम में तीन क्षेत्रीय दलों - असम गण परिषद (एजीपी), यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के साथ गठबंधन में है। इन दलों के बीच अभी तक सीटों के बंटवारे को लेकर कोई समझौता नहीं हुआ है। इस बीच, असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा है कि उनकी पार्टी 100 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि शेष 26 सीटें रायजोर दल, असम जातीय परिषद और सीपीआई (एम) जैसे अन्य संभावित सहयोगियों के लिए छोड़ी जाएंगी। गोगोई ने यह भी कहा कि अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एयूआईडीएफ) विपक्षी गठबंधन का हिस्सा नहीं होगा।

तेजस्वी यादव के विदेश दौरे पर सियासी घमासान, एनडीए ने की जांच की मांग

GANDIV REPORTER

पटना। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव के विदेश दौरे को लेकर सियासत तेज हो गई है। रविवार को बीजेपी के मंत्री प्रमोद कुमार ने तेजस्वी के विदेश प्रवास की जांच की मांग करते हुए कहा कि वह नए गठित बिहार विधानसभा के चल रहे सत्र के बीच कथित तौर पर विदेश चले गए। एनडीए नेताओं का आरोप है कि सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष की लंबी गैरमौजूदगी कई सवाल खड़े करती है। सहकारिता तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग का प्रभार संभाल रहे मंत्री प्रमोद कुमार ने कहा कि जिस तरह सरकार तेजस्वी के परिवार की संपत्तियों की जांच कर रही है, उसी तर्ज पर उनके विदेश दौरे की भी गहन जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि तेजस्वी यादव कहां थे। मंत्री प्रमोद कुमार ने कहा, नेता प्रतिपक्ष कोई साधारण पद नहीं होता। यह एक संवैधानिक पद है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि वह इतने लंबे समय तक कहां रहे, किन लोगों से मिले और विदेश में उन्होंने क्या गतिविधियां कीं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि न तो पार्टी ने और न ही राज्य की जनता को उनकी अनुपस्थिति की जानकारी दी गई। इस मुद्दे पर जनता दल (यूनाइटेड) ने भी तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने उन्हें गैर-गंभीर नेता करार देते हुए कहा कि लोकतंत्र में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका सत्तापक्ष जितनी ही अहम होती है, लेकिन तेजस्वी विधानसभा सत्र के दौरान अचानक गायब हो गए। उन्होंने कहा कि उनकी अनुपस्थिति को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

जनता के भरोसे पर खरे उतरेंगे तेजस्वी : राजद

एनडीए के आरोपों पर पलटवार करते हुए आरजेडी ने कहा कि बिहार की जनता ने तेजस्वी यादव पर भरोसा जताया है और वह उस पर खरे उतरेंगे। आरजेडी के महासचिव और मोरवा से विधायक रणविजय साहू ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन को चिंता करने की जरूरत नहीं है। पार्टी जल्द ही पलायन, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और बिगड़ती कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों को लेकर आंदोलन शुरू करेगी।

आईआरसीटीसी घोटाला : लालू यादव को राहत नहीं

दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई से किया जवाब तलब

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। आईआरसीटीसी होटल घोटाला मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव को दिल्ली उच्च न्यायालय से झटका लगा है, जहां उनकी याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया गया है। अदालत ने निचली अदालत द्वारा आरोप तय किए जाने के आदेश पर तत्काल रोक लगाने से इनकार करते हुए केंद्रीय जांच एजेंसी से जवाब मांगा है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को आईआरसीटीसी होटल घोटाले मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव की याचिका पर नोटिस जारी किया। लालू प्रसाद यादव ने सीबीआई मामले में निचली अदालत द्वारा आरोप तय किए जाने को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीबीआई) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। हालांकि, निचली अदालत के आदेश के खिलाफ तत्काल कोई राहत नहीं दी गई है। अदालत ने आदेश पर रोक नहीं लगाई है।

अदालत ने स्थगन याचिका पर सुनवाई के लिए 14 जनवरी की तारीख तय की है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा, उन्हें जवाब दाखिल करने दें। मैं स्थगन के मुद्दे पर आपकी बात सुनूंगी। उच्च न्यायालय ने सीबीआई को जवाब दाखिल करने को कहा है। अगली सुनवाई की तारीख 14 जनवरी है। लालू प्रसाद यादव की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल, वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह (एकता वत्स की सहायता से), अधिवक्ता वरुण जैन और नवीन कुमार पेश हुए। उन्होंने स्थगन की मांग की। सीबीआई की ओर से सहायक अधिवक्ता डी पी सिंह और अधिवक्ता मनु मिश्रा पेश हुए। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कथित आईआरसीटीसी घोटाले में भ्रष्टाचार और आपराधिक साजिश के आरोप तय करने वाले निचली अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। अक्टूबर 2025 में, निचली अदालत ने भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम द्वारा निविदा आवंटन में कथित अनियमितताओं के संबंध में लालू प्रसाद यादव के खिलाफ आरोप तय किए थे। उनकी पत्नी, बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, और उनके बेटे तेजस्वी यादव, जो वर्तमान में बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं, पर भी आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी सहित कई अपराधों के आरोप लगाए गए हैं।

आरोप तय करते समय, राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) विशाल गोगने ने पाया कि लालू प्रसाद यादव ने केंद्रीय रेल मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, भूमि निविदा प्रक्रिया में पात्रता शर्तों में हेरफेर करने के लिए कथित तौर पर अपने पद का दुरुपयोग किया था। अदालत ने माना कि वे कथित साजिश से पूरी तरह अवगत थे और उन्होंने निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से हस्तक्षेप किया था, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ।

बांग्लादेश में हिंसा पर चीन ने तोड़ी चुप्पी, चुनाव पर मोहम्मद यूनुस को दिया कड़ा संदेश

GANDIV REPORTER

बीजिंग। चीन ने बांग्लादेश हो रही हिंसक घटनाओं पर चिंता जताते देश में तय समय पर चुनाव कराने पर जोर दिया है। चीन की ओर से कहा गया है कि वह बांग्लादेश में फरवरी में चुनाव और स्थिरता के अपने पारंपरिक राजनयिक रुख पर कायम है। चीन का बयान ऐसे समय आया है, जब बांग्लादेश में युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद देशभर में हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। हिंसा की वजह से देश में प्रस्तावित चुनाव के टाले जाने का अंदेशा जताया जा रहा है। बांग्लादेश में अगले वर्ष 12 फरवरी को चुनाव होना है। बांग्लादेश की स्थिति पर पूछे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, चीन ने स्पष्ट कहा है कि हम बांग्लादेश में सुरक्षित, स्थिर और सुचारू संसदीय चुनाव चाहते हैं। हमारा मानना है कि बांग्लादेश के विभिन्न क्षेत्र महत्वपूर्ण राजनीतिक एजेंडों को ठीक से आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय एकता और स्थिरता बनाए रखेंगे। चीन ने तय समय पर चुनाव पर जोर देकर यूनुस सरकार को कड़ा संदेश दिया है क्योंकि उन्होंने कई बार इलेक्शन में टालमटोल का रवैया दिखाया है।

बीजिंग-ढाका संबंध : चीन की नजर बांग्लादेश की स्थिति पर लगी हुई है क्योंकि हालिया वर्षों में उसके संबंध ढाका से काफी बेहतर हो गए हैं। पिछले कुछ सालों में ढाका के लिए चीन मुख्य आर्थिक और रणनीतिक पार्टनर बनकर उभरा है। खासतौर से मोहम्मद यूनुस के सत्ता में आने के बाद से चीन ने आर्थिक के साथ-साथ सैन्य सहयोग भी ढाका से बढ़ाया है।

बांग्लादेश में जारी हिंसा का हवाला देते हुए चुनाव टाले जाने की आशंका कई एक्सपर्ट जता रहे हैं। खालिदा जिया की सरकार में वाणिज्य मंत्री रहे आमिर खसरू महमूद चौधरी ने भी यूनुस प्रशासन पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने भीड़ के हिंसक विरोध प्रदर्शनों को चुनाव रोकने के औजार के तौर पर इस्तेमाल किए जाने का शक जताया है।

बांग्लादेश के आगामी चुनाव को टालने पर नाराजगी जताते हुए देश के अहम राजनीतिक दल बीएनपी ने कहा है कि वह इसके पक्ष में नहीं है। बीएनपी ने पहले भी जल्दी से जल्दी चुनाव कराने पर जोर दिया है। बीएनपी नेताओं ने एक बार फिर कहा है कि फरवरी में होने वाले चुनाव का लोगों को इंतजार है। आम लोगों के अलावा उम्मीदवार भी अपने क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने साल 2020 में हुए उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े कथित बड़ी साजिश मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इंकार कर दिया है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की बेंच ने इन दोनों की जमानत याचिकाओं को खारिज करते हुए इसी मामले में पांच अन्य आरोपियों को जमानत दे दी है।

कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष के सबूतों और रिकॉर्ड से उमर खालिद तथा शरजील इमाम के खिलाफ यूएपीए के तहत प्रथम दृष्टया (प्राइमा फेसी) मामला बनता है। बेंच ने स्पष्ट किया कि दोनों की भूमिका प्लानिंग, लोगों को जुटाने और रणनीतिक निर्देश देने के स्तर पर थी, जो अन्य आरोपियों से गुणात्मक रूप से अलग है। कोर्ट ने यह भी कहा कि, प्रॉसिक्यूशन की सामग्री उन्हें जमानत पर रिहा करने का कोई आधार नहीं देती।

हालांकि, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा-उर-रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को जमानत मिल गई। ये सभी आरोपी पांच साल से अधिक समय से जेल में हैं। कोर्ट ने जोर दिया कि हर याचिका का अलग-अलग मूल्यांकन जरूरी है, क्योंकि रिकॉर्ड से पता चलता है कि सभी अपील करने वाले अपराध के मामले में एक ही स्थिति में नहीं थे। यह फैसला दिल्ली हाईकोर्ट के सितंबर 2025 के आदेश के खिलाफ दायर स्पेशल लीव पिटिशन पर आया है। सुप्रीम कोर्ट ने 10 दिसंबर को सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

जमानत याचिकाओं का विरोध करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट में कहा कि फरवरी 2020 के दिल्ली दंगे कोई अचानक सांप्रदायिक टकराव नहीं थे, बल्कि यह अच्छी तरह डिजाइन की गई, सुनियोजित और पहले से प्लान की गई साजिश थी। उन्होंने व्हाट्सएप चैट्स, भाषणों और अन्य सबूतों का हवाला देते हुए तर्क दिया कि आरोपियों ने समाज को सांप्रदायिक आधार पर बांटने की कोशिश की और यह देश की संप्रभुता पर हमला था। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने ट्रायल में देरी के लिए भी आरोपियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने बताया कि वे सहयोग नहीं कर रहे और आरोप तय करने में बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने कहा, ऐसे मामलों में पैटर्न बन गया है कि ट्रायल में देरी करवाई जाए और जमानत मांगी जाए।

गौरतलब हो, फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों में कई लोगों की मौत हुई थी और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। मामले की सुनवाई जारी है और यह फैसला यूएपीए के सख्त प्रावधानों के तहत जमानत के मुद्दे पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

यूक्रेन ने राष्ट्रपति पुतिन के आवास को निशाना नहीं बनाया : डोनाल्ड

GANDIV REPORTER

न्यूयार्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि यूक्रेन ने पिछले सप्ताह ड्रोन हमले में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास को निशाना नहीं बनाया था।

दरअसल रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने पिछले सप्ताह कहा था कि यूक्रेन ने उत्तर पश्चिमी नोवगोरोड क्षेत्र में पुतिन के सरकारी आवास पर ड्रोन से हमले किए, जिन्हें रूसी रक्षा प्रणालियों ने नाकाम कर दिया। लावरोव ने दोनों देशों के बीच जारी युद्ध समाप्त कराने के वास्ते हो रही गहन बातचीत के दौरान हमला करने के लिए कीव की आलोचना की थी।

ट्रंप ने फ्लोरिडा स्थित अपने आवास में दो सप्ताह बिताने के बाद रविवार को वाशिंगटन लौटते समय पत्रकारों से कहा, मुझे नहीं लगता कि ऐसा कोई हमला हुआ था। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कियूक्रेन ने पिछले सप्ताह ड्रोन हमले में पुतिन के किसी आवास को निशाना नहीं बनाया था। ट्रंप के इस बयान से पहले यूरोपीय अधिकारियों ने कहा था कि हमले से संबंधित रूस का दावा शांति प्रयासों को कमजोर करने की रूस की चाल है। वहीं ट्रंप ने शुरूआत में रूस के आरोपों को सही माना था और इस पर चिंता भी व्यक्त की थी। उन्होंने सोमवार को संवाददाताओं से कहा था कि उनकी रूसी राष्ट्रपति सेफोन पर बातचीत हुई है और वह इस मामले को लेकर बहुत गुस्सा हैं। लेकिन बुधवार को ट्रंप रूस के दावे से असहमत नजर आए।

एशेज टेस्ट : जो रूट के शतक के बाद ट्रेविस हेड का पलटवार, ऑस्ट्रेलिया का वापसी

GANDIV REPORTER

सिडनी। एशेज 2025-26 के पांचवें मुकाबले के दूसरे दिन इंग्लैंड को 384 रन पर समेटने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने स्टंप्स तक 2 विकेट खोकर 166 रन बना लिए हैं। इंग्लैंड के पास अभी भी 218 रन की बढ़त शेष है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जा रहे इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। मेहमान टीम ने अपनी पहली पारी में 384 रन बनाए। टीम के लिए जो रूट ने शतक ठोका।

टीम ने 57 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। जो रूट ने चौथे विकेट के लिए हैरी ब्रूक के साथ 169 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 226 रन तक पहुंचाया। दूसरे दिन पहले सेशन में ब्रूक 97 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों के साथ 84 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद रूट ने जेमी स्मिथ के साथ छठे विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 300 के पार पहुंचाया। स्मिथ 76 गेंदों में 46 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद रूट ने विल जैक्स (27) के साथ सातवें विकेट के लिए 52 रन जुटाए।

जो रूट ने अपने टेस्ट करियर का 41वां शतक लगाया। वह 9वें बल्लेबाज के रूप में आउट हुए। रूट ने 242 गेंदों में 15 चौकों के साथ 160 रन की पारी खेली। 9 रन बनाने में इंग्लैंड के आखिरी चार विकेट गिर गए। इससे टीम 400 रनों का आंकड़ा पार नहीं कर पाई। मेजबान टीम की तरफ से माइकल नेसेर ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड ने 2-2 विकेट निकाले।

ट्रेविस हेड का किया काउंटर अटैक : इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन की समाप्ति तक 34.1 ओवर खेले, जिसमें 2 विकेट खोकर 166 रन बनाए। ट्रेविस हेड ने जैक वेदरलैंड के साथ पहले विकेट के लिए 57 रन की साझेदारी की। वेदरलैंड ने 21 रन टीम के खाते में जोड़े। फिर हेड ने मार्नस लाबुशेन के साथ दूसरे विकेट के लिए 105 रन जुटाते हुए टीम को 162 के स्कोर तक पहुंचाया। लाबुशेन 68 गेंदों में 7 चौकों के साथ 48 रन बनाकर आउट हुए, जबकि हेड ने 87 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 91 रन बना लिए हैं। इंग्लैंड की तरफ से एकमात्र सफल गेंदबाज बेन स्टोक्स रहे, जिन्होंने 8.1 ओवरों में 30 रन देकर 2 विकेट निकाले हैं। दूसरे दिन का दूसरा सेशन श्री लायंस ने 78 ओवर में 336/6 के स्कोर से शुरू किया, जिसमें विल जैक्स (11 गेंदों में 3 रन) और रूट (200 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 138 रन) क्रीज पर नाबाद थे। जैक्स ने अपनी पारी की शुरूआत आक्रामक अंदाज में की, दूसरे सेशन की दूसरी गेंद पर मार्नस लाबुशेन को छक्का लगाया। 82 ओवर के बाद इंग्लैंड का स्कोर 351/6 था। विल जैक्स ने आक्रामक खेल जारी रखा और 83वें ओवर में मिशेल स्टार्क और 84वें ओवर में स्कॉट बोलैंड को चौके लगाए। रूट ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और टेस्ट क्रिकेट में अपना 17वां 150 रन का स्कोर बनाया। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने 89वें ओवर की आखिरी गेंद पर 226 गेंदों में यह मुकाम हासिल किया।

इसके अलावा, वह श्रीलंकाई महान महेला जयवर्धने (16) को पीछे छोड़कर टेस्ट में सबसे ज्यादा 150 से ज्यादा स्कोर बनाने वाले पांचवें बल्लेबाज बन गए। रूट से आगे ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डॉन ब्रैडमैन (18), श्रीलंकाई महान कुमार संगकारा (19), वेस्टइंडीज के दिग्गज ब्रायन लारा (19) और भारतीय दिग्गज सचिन तेंदुलकर (20) हैं। तेज गेंदबाज माइकल नेसर ने सातवें विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी को तोड़ा, जब उन्होंने जैक्स को 62 गेंदों में 27 रन पर आउट किया, जिसमें तीन चौके शामिल थे। इंग्लैंड का स्कोर 92 ओवर में 375/7 था। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने ब्रायडन कार्स को एक रन पर आउट किया, फिर नेसर ने 98वें ओवर में दो विकेट लिए झ रूट को 160 और जोश टोंग को दो गेंदों पर शून्य पर आउट करके इंग्लैंड की पहली पारी खत्म कर दी। ऑस्ट्रेलिया के लिए, तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क (2/93), माइकल नेसर (4/60) और स्कॉट बोलैंड (2/85) विकेट लेने वालों में शामिल थे।

इससे पहले, इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले दिन, दिन के तीसरे सेशन के बाद सिर्फ 45 ओवर फेंके गए, जिसमें बारिश और खराब रोशनी के कारण कोई खेल नहीं हो सका।

ओपनर जैक क्रॉली (29 गेंदों में 16 रन, तीन चौकों की मदद से) और बेन डकेट (24 गेंदों में 27 रन, पांच बाउंड्री की मदद से) ने पहले विकेट के लिए 35 रन की साझेदारी की। जैकब बेथेल 23 गेंदों में 10 रन बनाकर आउट हो गए, जिसमें दो चौके शामिल थे, इसके बाद रूट और हैरी ब्रूक ने पारी को संभाला और पहले सेशन में मेहमान टीम को 100 रन के पार पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया के लिए, मिशेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड और माइकल नेसर ने पहले सेशन में एक-एक विकेट लिया। दूसरे सेशन में इंग्लैंड का दबदबा रहा, बाउंड्री आती रहीं और 33 ओवर के बाद उनका स्कोर 155/3 हो गया। अगले ही ओवर में, रूट ने 65 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जबकि ब्रूक ने तेज गेंदबाज ब्यू वेबस्टर के खिलाफ चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया।

इंग्लैंड के जो रूट ने रचा इतिहास

आस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग की बराबरी

GANDIV REPORTER

सिडनी। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने सिडनी एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना 41वां टेस्ट शतक जड़कर रिकी पोंटिंग के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। इस उपलब्धि के साथ, रूट अब टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक शतक बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में सचिन तेंदुलकर और जैक्स कैलिस के बाद संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार, इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक टेस्ट शतक बनाने वाले संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। सोमवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना 41वां टेस्ट शतक बनाकर इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोंटिंग की बराबरी कर ली। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज पोंटिंग ने 168 टेस्ट मैचों में 51.85 के शानदार औसत से 13378 रन बनाए हैं, जिनमें 41 शतक और 62 अर्धशतक शामिल हैं।

सिडनी टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान रूट ने 146 गेंदों में अपना 41वां टेस्ट शतक पूरा किया। यह चल रही एशेज सीरीज में रूट का दूसरा शतक था। इससे पहले, इस अनुभवी बल्लेबाज ने ब्रिस्बेन में पिंक बॉल टेस्ट के दौरान शतक जड़ा था। 2021 के बाद से, यह रूट का 24वां टेस्ट शतक है, जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा बनाए गए शतकों की संख्या से अधिक है। टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक शतकों की सूची में, रूट दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी जैक्स कैलिस (45) और भारतीय दिग्गज सचिन तेंदुलकर (51) से ठीक पीछे हैं। इंग्लैंड के इस बल्लेबाज ने टेस्ट फॉर्मेट में 14,000 रन बनाने के करीब पहुंचकर 162 मैचों में 296 पारियों में 13777 रन बनाए हैं। रूट का औसत 50.83 का है। इस बीच, दूसरे दिन लंच तक इंग्लैंड मजबूत स्थिति में पहुंच गया। पहली पारी में श्री लायंस ने 78 ओवरों में 336 रन बनाए, जिसमें विल जैक्स (11 गेंदों पर 3* रन) और रूट (200 गेंदों पर 138* रन, जिसमें 14 चौके शामिल हैं) नाबाद रहे।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले बीसीसीआई की बढ़ी टेंशन

बांग्लादेश ने भारत में खेलने से किया इनकार

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। बांग्लादेश ने अपने खिलाड़ी की सुरक्षा का हवाला देते हुए टी20 वर्ल्ड कप के लीग मैच भारत से श्रीलंका स्थानांतरित करने की मांग की है, जिससे बीसीसीआई और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के बीच टकराव की स्थिति बन गई है। जहां बांग्लादेश सरकार इस मुद्दे पर सख्त है, वहीं बीसीसीआई ने टूर्नामेंट से ठीक पहले लॉजिस्टिक कारणों से इस बदलाव को लगभग असंभव बताया है।भारत और बांग्लादेश के बीच क्रिकेट के रिश्तों में अचानक आई तल्खी अब अंतरराष्ट्रीय स्तर तक असर दिखाने लगी हैं। ताजा घटनाक्रम में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को उसके खेल मंत्रालय ने निर्देश दिया है कि वह आईसीसी से अनुरोध करे कि टी20 वर्ल्ड कप 2025 में भारत में होने वाले बांग्लादेश के लीग मुकाबलों को श्रीलंका स्थानांतरित किया जाए।बता दें कि यह निर्देश उस फैसले के बाद आया है, जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के निर्देश पर आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से रिलीज कर दिया। गौरतलब है कि मुस्तफिजुर को हाल ही में अबू धाबी में हुई नीलामी में 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा गया था, लेकिन अचानक उनका अनुबंध रद्द कर दिया गया।

मौजूद जानकारी के अनुसार, इस घटनाक्रम के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की एक आपात बैठक हुई, हालांकि बोर्ड अध्यक्ष और पूर्व कप्तान अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने सार्वजनिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की हैं। वहीं, बांग्लादेश सरकार के सलाहकार आसिफ नजरुल ने सोशल मीडिया पर स्पष्ट किया कि उन्होंने बोर्ड को निर्देश दिया है कि आईसीसी को लिखित रूप में यह बताया जाए कि यदि किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी को भारत में खेलना सुरक्षित नहीं समझा जाता, तो राष्ट्रीय टीम भी भारत आकर वर्ल्ड कप खेलने में खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर सकती है।

उन्होंने यह भी कहा कि औपचारिक रूप से मांग की जाए कि बांग्लादेश के चारों लीग मुकाबले श्रीलंका में कराए जाएं। बांग्लादेश को यह मुकाबले 7 फरवरी को वेस्टइंडीज, 9 फरवरी को इटली, 14 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ कोलकाता में और 17 फरवरी को नेपाल के खिलाफ मुंबई में खेलने हैं।

दूसरी ओर, बीसीसीआई से जुड़े सूत्रों का कहना है कि टूर्नामेंट में केवल एक महीने का समय बचा होने के कारण ऐसा बदलाव लगभग असंभव हैं। उनके मुताबिक मैच शेड्यूल, टीमों की यात्रा, होटल और ब्रॉडकास्ट से जुड़ी व्यवस्थाएं पहले ही तय हो चुकी हैं और अचानक बदलाव से बड़ा लॉजिस्टिक संकट खड़ा हो सकता है।

गौरतलब है कि पहले से हुए एक समझौते के तहत पाकिस्तान अपने वर्ल्ड कप मुकाबले श्रीलंका में खेल रहा हैं, लेकिन बांग्लादेश के मामले में स्थिति अलग मानी जा रही हैं। इस पूरे विवाद की पृष्ठभूमि में भारत-बांग्लादेश के राजनीतिक संबंधों में आई हालिया अस्थिरता को भी अहम माना जा रहा हैं। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से हटने और उनके भारत आने के बाद से दोनों देशों के रिश्तों में तनाव देखा गया है।

आसिफ नजरुल ने यह भी संकेत दिया है कि बांग्लादेश में आईपीएल के प्रसारण को निलंबित करने पर विचार किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी क्रिकेट या खिलाड़ियों के अपमान को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हालांकि, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि बीसीसीआई की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पत्र नहीं मिला हैं और आगे की कार्रवाई उसी के बाद तय की जाएगी। कुल मिलाकर, यह पूरा मामला खेल से आगे बढ़कर कूटनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर एक नए तनाव की ओर इशारा कर रहा है।

2036 ओलंपिक पर पीएम मोदी का संकल्प, कहा-

भारत की तैयारी देख दुनिया होगी हैरान

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत की मजबूत दावेदारी की पुष्टि की है, जिसका आधार पिछले एक दशक में फीफा और हॉकी वर्ल्ड कप जैसे 20 से अधिक सफल अंतरराष्ट्रीय आयोजनों का अनुभव है। वाराणसी में राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप जैसे आयोजन इस दिशा में देश की खेल अवसंरचना को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह स्पष्ट किया कि भारत 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पूरी क्षमता और तैयारी के साथ आगे बढ़ रहा है। वह 72वीं राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे, जो इस समय वाराणसी में आयोजित की जा रही हैं।

बता दें कि अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने पिछले एक दशक में भारत द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किए गए अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों का उल्लेख किया हैं। उन्होंने कहा कि देश के अलग-अलग शहरों में अंडर-17 फीफा वर्ल्ड कप, हॉकी वर्ल्ड कप और बड़े अंतरराष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट जैसे 20 से अधिक वैश्विक प्रतियोगिताओं का आयोजन हो चुका हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि वर्ष 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन भी भारत में प्रस्तावित हैं और इसी अनुभव के आधार पर देश 2036 ओलंपिक की मेजबानी की दिशा में पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा हैं। गौरतलब है कि 72वीं राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 4 जनवरी से 11 जनवरी तक किया जा रहा हैं, जिसमें देशभर से 58 टीमों के एक हजार से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, इस प्रतियोगिता में भारतीय वॉलीबॉल की तकनीकी क्षमता, प्रतिस्पर्धात्मक स्तर और खेल भावना का उच्च स्तर देखने को मिलने की उम्मीद हैं।

आयोजन से जुड़े आधिकारिक बयान में कहा गया है कि वाराणसी जैसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक शहर में राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप का आयोजन खेल अवसंरचना को मजबूत करने और युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने की दिशा में एक अहम कदम हैं। यह आयोजन वाराणसी की पहचान को केवल धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र तक सीमित न रखते हुए, राष्ट्रीय स्तर के बड़े खेल आयोजनों के एक उभरते केंद्र के रूप में भी स्थापित कर रहा हैं।

कुल मिलाकर, सरकार और खेल संगठनों की यह पहल भारत को वैश्विक खेल मंच पर एक मजबूत दावेदार के रूप में प्रस्तुत करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं।

भारत का लक्ष्य 2036 में गुजरात में ओलंपिक की मेजबानी करना है : शाह

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। महिलाओं के खेलों के बढ़ते प्रभाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पहले माता-पिता अक्सर चाहते थे कि उनके बेटे विराट कोहली जैसे बनें, लेकिन अब कई लोग चाहते हैं कि उनकी बेटियां स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर जैसी क्रिकेटर बनें।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह ने रविवार को कहा कि 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के बाद भारत का लक्ष्य 2036 में गुजरात में ओलंपिक खेल लाना है जिसमें कम से कम 100 पदक जीतने का लक्ष्य हो।

सूरत में डॉ हेडगेवार सेवा स्मृति सेवा समिति द्वारा आयोजित रन फॉर गर्ल चाइल्ड मैराथन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में राष्ट्रमंडल खेलों को लाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, राष्ट्रमंडल 2030 के बाद हमारा लक्ष्य 2036 में यहां ओलंपिक की मेजबानी करना है। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत ने आठ पदक जीते थे, इस प्रदर्शन का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि 2036 के लिए लक्ष्य कम से कम 100 पदक होना चाहिए जिसमें गुजरात का योगदान 10 पदक का हो। उन्होंने विश्वास जताया कि महिला एथलीट इनमें से कम से कम दो पदक जीतेंगी।

शाह ने बारबाडोस में 2024 टी20 विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में सफलता के लिए भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की भी तारीफ की। महिलाओं के खेलों के बढ़ते प्रभाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पहले माता-पिता अक्सर चाहते थे कि उनके बेटे विराट कोहली जैसे बनें, लेकिन अब कई लोग चाहते हैं कि उनकी बेटियां स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर जैसी क्रिकेटर बनें।

टीम इंडिया को घर में टेस्ट हराना नहीं होगा आसान, कप्तान शुभमन गिल ने तैयार किया मास्टर प्लान

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। भारतीय टीम को अपने पिछले घरेलू टेस्ट सीरीज में साउथ अफ्रीका के खिलाफ करारी हार झेलनी पड़ी। नवंबर में हुई सीरीज को साउथ अफ्रीका ने 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया था। पहले मैच की आखिरी पारी में टीम इंडिया 124 का टारगेट चेज नहीं कर पाई। यह घर पर सबसे छोटा टारगेट था, जिसे चेज करते हुए टीम हारी। इसके बाद दूसरे मैच में भारत 408 रनों से हार गया। यह टेस्ट में टीम की रनों से सबसे बड़ी हार थी।

शुभमन गिल ने बीसीसीआई को सुझाव दिया : भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने बीसीसीआई को सुझाव दिया है कि हर टेस्ट सीरीज से पहले 15 दिन का कैंप लगना चाहिए। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। भारतीय टीम 13 महीने में घर में दो टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप हो चुकी है। इसके बाद बीसीसीआई ने चयनकताओं और टीम मैनेजमेंट के साथ मीटिंग की। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया, 'गिल ने बहुत स्पष्ट रूप से कहा कि टीम को टेस्ट सीरीज में उतरने से पहले बेहतर तैयारी की जरूरत है। इस सीजन में कार्यक्रम के साथ एक समस्या थी, जिसमें टीम के पास तैयारी के लिए ज्यादा समय नहीं था। गिल ने बोर्ड को सुझाव दिया कि टेस्ट सीरीज से पहले 15 दिन के रेड-बॉल कैंप लगाना आदर्श होगा।

इसके साथ ही बीसीसीआई शुभमन गिल को टीम की योजनाओं को बनाने में अधिक अधिकार देने के लिए तैयार है। सूत्र ने कहा- गिल अब मुखर गुण दिखा रहे हैं। वह चयनकताओं और बीसीसीआई के सामने अपनी दृष्टि को अधिक स्पष्टता के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं। यह भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा संकेत है क्योंकि रोहित शर्मा के बाद एक मजबूत कप्तान की जरूरत है। टेस्ट और वनडे टीमें गिल की हैं। यह महत्वपूर्ण है कि उनकी बात अधिक सुनी जाए।

आसान नहीं होगा 15 दिन का कैंप : भारतीय खिलाड़ियों के लिए हर टेस्ट सीरीज से पहले 15 दिन का कैंप लगाना आसान नहीं होता। टेस्ट के अधिकतर खिलाड़ी वनडे या टी20 इंटरनेशनल में खेलते ही हैं। यही वजह है कि उनके लिए कैंप में हिस्सा लेना मुश्किल होगा। एशिया कप के तुरंत बाद भारत और वेस्टइंडीज के टेस्ट सीरीज की शुरूआत हो गई थी। ऑस्ट्रेलिया दौरे से लौटते ही खिलाड़ियों को साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट खेलने के लिए उतरना पड़ा था।

बांग्लादेश में टीवी पर नहीं दिखेगी आईपीएल

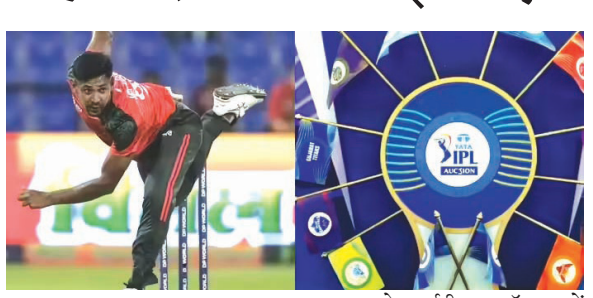

GANDIV REPORTER

ढाका। इंडियन प्रीमियर लीग के मैच अब बांग्लादेश में नहीं दिखाई जाएंगे। अपने क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से हटाए जाने से नाराज बांग्लादेश सरकार ने आईपीएल के मैचों के टेलीकास्ट पर प्रतिबंध लगा दिया है। बांग्लादेश के सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने सोमवार (5 जनवरी) को इसे लेकर सभी स्थानीय टीवी चैनलों को एक पत्र भेजा है, जिसमें आईपीएल के टेलीकास्ट पर प्रतिबंध लगाए जाने की जानकारी दी गई है। बता दें कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ बर्बर हिंसा के चलते भारत में मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल टीम में शामिल करने का विरोध हो रहा था। इस विरोध को उग्र रूप लेता देखकर बीसीसीआई ने मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करने का आदेश कोलकाता नाइट राइडर्स (डडफ) टीम को दिया था, जिसने रहमान को आईपीएल ऑक्शन में 9.2 करोड़ रुपये में खरीदा था। केकेआर ने बीसीसीआई के आदेश के बाद रहमान को रिलीज करने की जानकारी दी थी।

बांग्लादेशी न्यूजपेपर फाइनेंशियल एक्सप्रेस के मुताबिक, बांग्लादेश के सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने अपने देश के सभी टीवी चैनलों को पत्र भेजा है। इस पत्र में कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के बांग्लादेशी स्टार क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स से हटाए जाने के फैसले का संज्ञान लिया गया है। इस फैसले का कोई वाजिब कारण नहीं बताया गया है और इससे बांग्लादेश के लोगों की भावनाओं को बड़ी ठेस पहुंची है। इन हालात को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय टीवी चैनलों को आईपीएल मैचों और उनसे जुड़े कार्यक्रमों का टेलीकास्ट व ब्रॉडकास्ट अगले नोटिस तक रोकने का निर्देश दे रहा है।

टीवी के जय भानुशाली का माही विज का डाइवोर्स

कहा- हमारी इस कहानी में कोई विलेन नहीं है

टीवी के पॉपुलर कपल माही विज और जय भानुशाली ने शादी के 14 साल बाद अलग होने की घोषणा की है। सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में, उन्होंने कहा कि वे आपसी सम्मान के साथ अलग हो रहे हैं और अपने बच्चों तारा, खुशी और राजवीर की परवरिश मिलकर करेंगे।

टेलिविजन की दुनिया से पॉपुलर हुए एक्टर्स माही विज और जय भानुशाली को फैंस से हमेशा खूब प्यार मिला है। काफी समय से अटकलें लग रही थी कि कपल की शादी टूटने वाली है। इस बीच, सोशल मीडिया पर कपल्स ने अपने फैंस को चौंका दिया। माही विज और जय भानुशाली ने 16 साल की शादी के बाद अलग होने की घोषणा की है। इंस्टाग्राम पर कपल्स ने एक बयान जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि भले ही वे अलग हो गए हैं, लेकिन वे हमेशा एक-दूसरे का साथ देंगे और खासकर अपने तीन बच्चों - तारा, खुशी और राजवीर के लिए। बयान में कहा गया, ह्लआज हम जीवन के इस सफर में अलग होने का फैसला करते हैं, फिर भी हम एक-दूसरे का साथ देते रहेंगे।

अलग हुए जय और माही

सोशल मीडिया पर जय भानुशाली और माही विज की तरफ से शेयर किए गए पोस्ट में लिखा है, ह्यआज हम जीवन के इस सफर में अलग होने का फैसला कर रहे हैं। फिर भी, हम हमेशा एक-दूसरे का साथ देते रहेंगे। शांति, विकास, दयालु होना और मानवता हमेशा से हमारे मार्गदर्शक रहेंगे। अपने बच्चों तारा, खुशी और राजवीर के लिए हमेशा सबसे अच्छे पेरेंट्स, बेस्ट फ्रेंड बनने और उनके लिए जो भी सही होगा वो करेंगे।

बच्चों की मिलकर परवरिश करेंगे

आगे पोस्ट में लिखा है- हालांकि हम अलग-अलग रास्ते पर चल रहे हैं, लेकिन इस कहानी में कोई विलेन नहीं है और इस फैसले से कोई नेगेटिविटी जुड़ी नहीं है। कोई भी नतीजा निकालने से पहले, कृपया जान लें कि हम ड्रामा से ज्यादा शांति और सबसे ऊपर समझदारी को चुनते हैं। हम हमेशा की तरह एक-दूसरे का सम्मान करते रहेंगे, एक-दूसरे को सपोर्ट करते रहेंगे और दोस्त बने रहेंगे। आपसी सम्मान के साथ, हम आगे बढ़ते हुए आपसे भी सम्मान, प्रेम और दया की कामना करते हैं। - मही विज और जय भानुशाली।

करीब 14 साल पहले की थी शादी

आपको बता दें कि, माही विज और जय भानुशाली ने साल 2011 में एक दूसरे से शादी कर ली थी। शादी के बाद साल 2019 में कपल ने बेटी खुशी और बेटे राजवीर को गोद लिया। साल 2021 में माही ने बेटी तारा को जन्म दिया था। शादी के करीब 14 साल बाद ये जोड़ी अलग हो गई है। टेलिविजन की दुनिया से पॉपुलर हुए एक्टर्स माही विज और जय भानुशाली को फैंस से हमेशा खूब प्यार मिला है। काफी समय से अटकलें लग रही थी कि कपल की शादी टूटने वाली है। इस बीच, सोशल मीडिया पर कपल्स ने अपने फैंस को चौंका दिया। माही विज और जय भानुशाली ने 16 साल की शादी के बाद अलग होने की घोषणा की है। इंस्टाग्राम पर कपल्स ने एक बयान जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि भले ही वे अलग हो गए हैं, लेकिन वे हमेशा एक-दूसरे का साथ देंगे और खासकर अपने तीन बच्चों - तारा, खुशी और राजवीर के लिए।

अभिनेता विनीत कुमार और सैयामी खेर ने अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग शुरू की

अभिनेता विनीत कुमार सिंह ने नई एनर्जी और एक्साइटिंग प्लान्स के साथ नए साल की शुरूआत की है। 2025 में लगातार हिट फिल्मों, जिसमें उनकी सबसे बड़ी सफलताओं में से एक छावा भी शामिल है, के बाद, 2026 विनीत के लिए जोरदार तरीके से शुरू हो रहा है। एक्टर ने एक नए प्रोजेक्ट के लिए डिजाइनर से डायरेक्टर बने विक्रम फडनिस के साथ हाथ मिलाया है। विनीत ने कहानी को खूबसूरत और अपने दिल के करीब बताया है, हालांकि अभी डिटेल्स को सीक्रेट रखा गया है।

विनीत कुमार सिंह और सैयामी खेर ने अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। सिंह ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा की। इस पोस्ट में पूजा समारोह की तस्वीरों और वीडियो के साथ फिल्म के क्लैपर बोर्ड की एक तस्वीर भी थी। उन्होंने कैप्शन में लिखा, इस खूबसूरत कहानी को आप सभी के सामने लाने के लिए उत्साहित हूं! फिलहाल, इस प्रक्रिया का आनंद लेते हैं और कुछ कमाल करते हैं।

विक्रम फड़नीस द्वारा निर्देशित इस फिल्म का अभी नाम नहीं रखा गया है। इसमें ताहिर राज भसीन भी काम कर रहे हैं। सैयामी खेर जल्द ही अक्षय कुमार और सैफ अली खान के साथ फिल्म हैवान में दिखाई देंगी। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में श्रिया पिलगांवकर भी हैं। विनीत कुमार सिंह हाल ही में फिल्म तेरे इश्क में में नजर आए थे। नवंबर में रिलीज हुई इस फिल्म में कृति सैनन और धनुष मुख्य भूमिकाओं में थे और इसका निर्देशन आनंद एल राय ने किया था। फिल्म में सिंह ने वी शेखावत का किरदार निभाया था।

विनीत ने अपने स्ट्रगल के दिनों के बारे में बताया

युवा के राउंडटेबल शो बी ए मैन, यार में, विनीत कुमार सिंह ने अपने शुरूआती करियर के मुश्किल दौर के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि, अपने स्ट्रगल के दिनों में, इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए उन्हें कई छोटी और अजीब नौकरियां करनी पड़ीं। विनीत ने बताया कि उन्होंने सुनील शेट्टी के बॉडी डबल के तौर पर भी काम किया और बैकग्राउंड रोल किए जो अक्सर किसी का ध्यान नहीं खींचते थे। उनके लिए, वे अनुभव उनकी यात्रा का हिस्सा थे और उन्होंने उन्हें अपने सपने से जुड़े रहने में मदद की। उन्होंने समझाया कि ऐसे समय में सबसे जरूरी बात यह है कि अंदर से मजबूत रहें और हार न मानें।

अवतार 3 ने रचा इतिहास, 17 दिन में ही 1 बिलियन डॉलर पार

जेम्स कैमरून ने एक बार फिर इतिहास रचने का काम किया है। भारतीय सिनेमा में जहां इस वक्त रणवीर सिंह की धुरंधर की 31 दिनों में 1201 करोड़ रुपये की वर्ल्डवाइड कमाई के चर्चे हैं, वहीं अवतार फायर एंड ऐश ने 17 दिनों में ही वर्ल्डवाइड 1 बलियिन डॉलर से अधकि का कारोबार कर लिया है। जी हां, यह फिल्म अपने तीसरे वीकेंड में दुनियाभर में 9550 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर चुकी है, जो धुरंधर ने 695% अधकि है। कैमरून की इस साइंस-फिक्शन फिल्म की यह सफलता ऐसे वक्त में आई है, जब ओवरसीज मार्केट में जूटोपिया 2 भी धूम मचा रही है। अवतार फायर एंड ऐश साल 2025 की चौथी फिल्म है, जिसने दुनिया भर में $1 बिलियन की कमाई कर मील का पत्थर पार किया है। यही नहीं, यह जेम्स कैमरून की भी चौथी फिल्म है, जो इस मुकाम पर पहुंची है। अब तक के सिनेमाई इतिहास में यह कारनामा करने वाली अवतार 3 60वीं फिल्म है। सिर्फ 17 दिन में कमाई का ये पहाड़ खड़ा करने वाली यह दुनिया की 10वीं सबसे तेज कमाई करने वाली फिल्म है।

अवतार 3 ने भारत में कमाए 174 करोड़ रुपये : भारतीय बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर की आंधी के बावजूद अवतार 3 ने अपना दम दिखाया है। यह फिल्म भारत में 17 दिनों में 174 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर चुकी है। रविवार को भी इसने अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम वर्जन मिलाकर 5.25 करोड़ रुपये का नेट बिजनस किया है।

ओवरसीज 6318 करोड़ रुपये की कमाई : फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अवतार फायर एंड ऐश ने 15 दिनों में नॉर्थ अमेरिकन बॉक्स ऑफिस पर $300 मिलियन (2707 करोड़ रुपये) और इंटरनेशनल सेल्स में $700 मिलियन (6318 करोड़ रुपये) का आंकड़ा पार कर लिया। हालांकि, इसकी कमाई की यह रफ्तार फ्रेंचाइजी की पिछली फिल्म अवतार: द वे ऑफ वॉटर से थोड़ी धीमी है।

जूटोपिया 2 को पछाड़ सकती है अवतार फायर एंड ऐश : मैगजीन के अनुसार, रविवार को ओवरसीज मार्केट में कारोबार बंद होने तक, अवतार 3 के $1.1 बिलियन पार पहुंचने की उम्मीद है। कैमरून की इस फिल्म की सीधी टक्कर बॉक्स ऑफिस पर एनिमेटेड ब्लॉकबस्टर जूटोपिया 2 से है, जिसने वर्ल्डवाइड 1.5 बिलियन डॉलर का कुल कलेक्शन कर लिया है। यह फिल्म 28 नवंबर को रिलीज हुई थी।

बिग बॉस 19 की फाइनलिस्ट तान्या मित्तल पर स्टाइलिस्ट ने लगाए गंभीर आरोप

बिग बॉस 19 की फाइनलिस्ट तान्या मित्तल अपनी स्टाइलिस्ट रिद्धिमा शर्मा के साथ विवाद में फंस गई हैं। रिद्धिमा ने इंस्टाग्राम पर आरोप लगाया कि तान्या ने काम का बकाया साफ नहीं किया है, महंगे कपड़े वापस नहीं किए, और स्टाइलिस्ट तथा डिजाइनर को नीचा दिखाया। रिद्धिमा ने तान्या के रवैये को खराब बताया और कहा कि उन्होंने कम समय में भी महंगे आउटफिट अरेंज किए थे।

बिग बॉस 19 के फिनाले के बाद, फाइनलिस्ट तान्या मित्तल एक बड़े विवाद में घिर गई हैं। उनकी स्टाइलिस्ट रिद्धिमा शर्मा ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रिद्धिमा का दावा है कि तान्या ने अभी तक उनके काम का भुगतान साफ नहीं किया है, उनके कपड़े वापस नहीं किए हैं, और डिजाइनर तथा स्टाइलिस्ट को अपमानित करने की कोशिश की है।

रिद्धिमा शर्मा का इंस्टाग्राम पोस्ट

बुधवार को, स्टाइलिस्ट रिद्धिमा शर्मा ने इंस्टाग्राम पर एक लम्बा पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने तान्या मित्तल पर अपना बकाया न देने का आरोप लगाया। उन्होंने अपनी निराशा जाहिर करते हुए दावा किया कि तान्या की टीम ने उनके साथ बहुत बुरा बर्ताव किया। रिद्धिमा ने यह नोट एक वीडियो के साथ शेयर किया, जिसमें तान्या से उनकी साड़ियों के बारे में सवाल पूछे जा रहे थे।

रिद्धिमा ने लिखा, मैंने हमेशा हर इंटरव्यू में तान्या का साथ दिया। मैंने ही उन्हें सारे कपड़े दिलवाए, और अब वे हमें ही एटीट्यूड दिखा रही हैं।

कपड़ों और पेमेंट पर विवाद : रिद्धिमा ने स्पष्ट किया कि स्टाइलिस्ट और डिजाइनर में बहुत अंतर होता है, और उन्होंने खुद को स्टाइलिस्ट बताया। उन्होंने दावा किया, पूरे एक हफ्ते तक, हर साड़ी और लहंगा मैंने भेजा था, और वे सभी महंगे थे। अब तक, कोई भी कपड़ा वापस नहीं किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि तान्या को कपड़े पसंद आए पर उन्होंने एक बार भी तारीफ नहीं की, और अब वह टेलर और डिजाइनर के बारे में गलत बातें कर रही हैं। उन्होंने सवाल किया, क्या सम्मान ऐसा दिखता है? रिद्धिमा ने यह भी दावा किया कि एक बार उनकी टीम को चेतावनी दी गई थी, अगर आज की साड़ी नहीं आई, तो पेमेंट नहीं किया जाएगा।

बकाए और रवैये की शिकायत : स्टाइलिस्ट ने जल्दबाजी में काम करवाने और कम सम्मान देने की शिकायत की। उन्होंने कहा, ह्यकल उन्हें दोपहर 1:30 बजे मंदिर जाना था, और मुझे सुबह 11 बजे फोन आया कि उन्हें आउटफिट चाहिए। मैंने फिर भी एक घंटे में सब कुछ अरेंज कर दिया और डिलीवरी का पेमेंट भी खुद किया। उन्होंने आगे खुलासा किया कि उन्होंने बहुत कम चार्ज किया, जबकि उनके द्वारा भेजे गए कपड़े (जैसे कि कल का लहंगा ही 58 हजार का था) बहुत महंगे थे। रिद्धिमा ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने कहा कि वह दूसरे शहर में होने के कारण सोसिंग नहीं कर सकतीं, तो तान्या ने कहा, ह्यअगर आज का आउटफिट नहीं आया, तो पेमेंट बिल्कुल नहीं आएगा। हालांकि, 10 मिनट के अंदर एक हफ्ते का 50,000 का भुगतान कर दिया गया।

विवेक अग्निहोत्री ने की आदित्य धर की फिल्म धुरंधर की जमकर तारीफ

फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री ने आदित्य धर की धुरंधर की तारीफ करते हुए इसे आज के भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। भारत लौटने के तुरंत बाद पर अपना डिटेल्ड रिएक्शन पोस्ट करते हुए, अग्निहोत्री ने फिल्म देखने का अपना अनुभव शेयर किया।

फिल्म निमार्ता विवेक अग्निहोत्री ने आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म धुरंधर की सराहना करते हुए इसे समकालीन भारतीय सिनेमा के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि करार दिया है। भारत लौटते ही अग्निहोत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी विस्तृत प्रतिक्रिया साझा की। उन्होंने फिल्म देखने के अपने अनुभव को दर्शकों के साथ साझा करते हुए फिल्म की रचनात्मक दृष्टि और तकनीकी बारीकियों की जमकर प्रशंसा की।

अग्निहोत्री ने अपने पोस्ट में विशेष रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर जोर दिया:

उत्कृष्ट निर्देशन : उन्होंने आदित्य धर के विजन को आधुनिक सिनेमा के लिए एक नई मिसाल बताया।

टीम वर्क: फिल्म की स्टार कास्ट और क्रू के बीच के तालमेल और उनके समर्पण की सराहना की।

भारतीय सिनेमा का गौरव: उन्होंने इसे एक ऐसी फिल्म बताया जो भारतीय फिल्म जगत के स्तर को और ऊंचा उठाती है।

अपने रिव्यू में, अग्निहोत्री ने प्रोडक्शन डिजाइन को खास तौर पर इनोवेटिव बताया, और सिर्फ सजावटी बैकग्राउंड के बजाय कहानी पर आधारित सेट बनाने के लिए सैनी एस जोहरे को क्रेडिट दिया। उन्होंने लिखा,अग्निहोत्री ने फिल्म के म्यूजिक और सिनेमैटोग्राफी को भी उनकी ओरिजिनैलिटी और टेक्निकल काबिलियत के लिए सराहा।

परफॉर्मेंस के बारे में, द कश्मीर फाइल्स के डायरेक्टर ने कहा कि भले ही कुछ परफॉर्मेंस ज्यादा ध्यान खींच सकती हैं, लेकिन पूरी टीम की ताकत छोटे से छोटे किरदारों की क्वालिटी में है। उन्होंने लिखा, लेकिन धुरंधर की असली जीत यह है कि छोटे से छोटे, सबसे मामूली किरदारों ने भी बेहतरीन परफॉर्मेंस दी है। हर चेहरा सोच-समझकर कास्ट किया गया, डायरेक्ट किया गया और रखा गया लगता है।

उन्होंने फिल्म के प्रोडक्शन प्रोसेस की टीम वर्क वाली प्रकृति पर जोर देते हुए कहा, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हर डिपार्टमेंट एक साथ मिलकर काम कर रहा है, एक ही जीव की तरह। इस तरह का तालमेल इत्तेफाक से नहीं होता। तभी आपको पता चलता है कि यह पूरी तरह से एक राइटर/डायरेक्टर की फिल्म है।

डायरेक्टर आदित्य धर को सीधे संबोधित करते हुए, अग्निहोत्री ने एक फिल्ममेकर के तौर पर धर की ग्रोथ के लिए अपना सम्मान व्यक्त किया। खासकर आपके स्केल और डिजाइन की समझ की, लेकिन यह आप एक अलग ही लेवल पर काम कर रहे हैं। मैंने यह फि ल्म सच्चे गर्व के साथ देखी, आप पर गर्व है, आपकी कला पर गर्व है, भारतीय सिनेमा पर गर्व है। आप धन्य हैं। सच में। भगवान के अपने बच्चे। आपको और शक्ति मिले। आगे बढ़ते रहो। स्टैंडर्ड बढ़ाते रहो। धुरंधर में रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, आर. माधवन और संजय दत्त जैसे कलाकार हैं, साथ ही राकेश बेदी, सारा अर्जुन और दानिश पंडोर ने भी इसमें सपोर्ट किया है। सीक्वल, धुरंधर 2, 19 मार्च, 2026 को रिलीज होने वाली है, जो टॉक्सिक के लॉन्च के साथ ही होगी। यह स्पाई थ्रिलर दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 1200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली पांचवीं भारतीय फि ल्म बन गई है।